卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 222 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बृहस्पतिवार ♦23 मई 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

रूद्रपुर में व्यापारी के घर और प्रतिष्ठानों पर आयकर के छापे

छापे की कार्रवाई से मचा हड़कम्प, हरदोई, बहेड़ी और शाहजहांपुर कार्यालयों में भी दबिश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं लघु व्यापारी एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष गुलशन नारंग व उनके सुपुत्र रौनिक नारंग के गल्ला मंडी स्थित प्रतिष्ठानों व सिविल लाईन जनता इंटर कालेज के पास उनके आवास पर आज प्रात: लखनऊ से आई आयकर विभाग की टीम द्वारा औचक छापेमारी की गई। साथ ही उनकी हरदोई, बहेड़ी व शाहजहांपुर कार्यालयों में भी दबिश दी गई। जिससे नगर के व्यापारियों में हड़कम्प मच गया। मामले की जानकारी मिलते ही व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा सहित कई व्यापारी नेता मौके पर आ पहुंचे और उन्होंने टीम के अधिकारियों से वार्ता की। जानकारी के अनुसार आज प्रात: लखनऊ से आयकर विभाग की आई टीम ने गुलशन नारंग व उनके सुपुत्र रौनिक नारंग के आवास व प्रतिष्ठानों पर मोर्चाबंदी कर ली थी। करीब दस बजे गल्ला मंडी स्थित नारंग फर्नीचर दुकान व काशीपुर रोड स्थित विनायक प्लाई कार्यालय खुलते ही टीम ने औचक दबिश दी तथा आवश्यक कागजातों की छानबीन शुरू कर दी। दोनों प्रतिष्ठानों के साथ ही नारंग के आवास पर भी पुलिस कर्मी तैनात कर दिये गये। टीम ने रौनक नारंग के बिजनेस पार्टनर एलायंस कालोनी निवासी सौरभ के आवास पर भी दबिश दी है। आयकर विभाग की टीम द्वारा छापेमारी किये जाने की भनक लगते ही व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा सहित कई व्यापारी नेता भी वहां आ पहुंचे और उन्होंने टीम के अधिकारियों से वार्ता की। बताया जाता है कि आज प्रात: रौनिक नारंग के हरदोई, बहेड़ी व शाहजहांपुर स्थित कार्यालयों में भी आयकर विभाग की टीमों द्वारा एक साथ दबिश दी गई है। समाचार लिखे जाने तक टीम द्वारा कागजातों की छानबीन की जा रही थी।

पानी के लिए हाहाकार ,महिलाओं ने लगाया जाम

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। शनिबाजार क्षेत्र में पानी की किल्लत झेल रहीं महिलाओं के सब्र का बांध टूट गया। महिलाओं ने सड़क पर बुग्गियां खड़ी कर आजवाही ठप कर दी। उन्होंने जल संस्थान के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। कहा, कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी पेयजल समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। मौके पर पहुंची वनभूलपुरा पुलिस ने किसी तरह से महिलाओं का शांत कराया और समस्या का समाधान करने का भरोसा दिलाया।गुरूवार को शकीला और नाजरा बेगम के नेतृत्व में दर्जनों महिलाएं पानी की समस्या को लेकर सड़क पर उतर आई। उन्होंने शनिबाजार रोड पर बुग्गियां लगाकर आवाजाही ठप कर दी। उनका कहना था कि क्षेत्र में पिछले एक महीने से पानी नहीं आ रहा है। इसको लेकर विभाग के अधिकारियों से बात की गई लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया। गर्मी के मौसम में उन्हें पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। एक-एक (शेष पृष्ठ 7 पर)

तेंदुए ने घास काट रही महिला को बनाया निवाला

सीएम धामी तक पहुंचा मामला, वन विभाग में हड़कंप

बनबसा(उद संवाददाता)। घास लेने गई महिला पर तेंदुए ने हमला कर दिया। जानकारी मिली है कि हमले के दौरान ही महिला की मौत हो गई। घटना गुरूवार प्रात: की बताई जा रही है। घटना क्योंकि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र की है जिसके चलते वन विभाग में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में तैनात नोडल अधिकारी केदार बृजवाल ने तत्काल प्रशासन को इसकी सूचना दी और आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। साथ ही उन्होंने घटना की जानकारी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी दी।जानकारी के (शेष पृष्ठ सात पर)

सीएम ने दिये परिवार का पूरा ध्यान रखने के आदेश

चंपावत। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के नोडल अधिकारी केदार बृजवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना की सूचना तुरंत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को दी। केदार बृजवाल ने बताया कि सीएम ने घटना पर बेहद दुख प्रकट किया है सीएम का आदेश है कि मृतक के परिवार के परिजनों का पूरा ध्यान रखा जाए परिवार के किसी भी सदस्य को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि गुरुद्वारा (शेष पृष्ठ सात पर)

तीन लाख स्मैक के साथ महिला सहित दो तस्कर दबोचे

एसटीएफ और गदरपुर थाना पुलिस की टीम ने की संयुक्त कार्रवाई

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टीम एवं गदरपुर थाना पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन लाख की स्मैक के साथ महिला समेत दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गये दोनों तस्कर पिछले कई वर्षों से स्मैक की तस्करी में लिप्त थे। ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत सीओ एसटीएफ कुमाऊ आरबी चमोला एवं प्रभारी निरीक्षक एसटीएफ (एन्टी नारकोटिक्स) पावन स्वरुप के नेतृत्व में एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टीम एवं थाना गदरपुर पुलिस ने थाना गदरपुर क्षेत्रअंतर्गत मोतियापुर तिराहे के पास से अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्कर हैदर अली पुत्र निजामुद्दीन, निवासी तिकोनिया धोबियान मस्जिद के पास, थाना ठाकुरद्वारा मुरादाबाद एवं शबाना उर्फ गुलनाज पत्नी नदीम निवासी तिकोनिया धोबिया मस्जिद के पास थाना ठाकुरद्वारा मुरादाबाद को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 30 ग्राम स्मैक बरामद की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तगण पिछले कई सालों से उत्तराखंड में स्मैक की सप्लाई कर रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह यह स्मैक मुरादाबाद से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खरीद कर गदरपुर/दिनेशपुर आदि मैदानी क्षेत्र में बेचने जा रहे थे। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि एसटीएफ एन्टी नारकोटिक्स टीम द्वारा गिरफ्तार तस्करों के विरुद्ध थाना गदरपुर में एनडीपीएस की समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत (शेष पृष्ठ सात पर)

अनुदान पर ट्रैक्टर दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सरकारी योजना का झांसा देकर अनुदान में ट्रेक्टर दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने दो किसानों से लाखों रूपये की धोखाधड़ी कर ली। अनुसूचित जाति जनजाति आयोग अध्यक्ष द्वारा मामले का संज्ञान लेने पर पुलिस ने रपट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दर्ज रपट में ओमप्रकाश सिंह पुत्र लाल सिंह राणा निवासी ग्राम नगला सितारगंज व महेश सिंह राणा पुत्र स्व. किशन दास राणा निवासी ग्राम साधूनगर सितारगंज का कहना है कि दोनों थारु जाति के गरीब छोटे किसान हैं। मई 2013 की दोपहर पूर्व परिचित ओम प्रकाश सिंह पुत्र सोडीराम निवासी ग्राम डोहरी सितारगंज के साथ उसने घर चार व्यक्ति आये जिन्होंने अपना नाम पता रफीक सैफी पुत्र सूखा निवासी इस्लामनगर वार्ड 06 गदरपुर, सबडीलर महक मशीनरी स्टोर रूद्रपुर, सनब्बर अली पुत्र जुम्मा निवासी इस्लानगर वार्ड गदरपुर, मुजीव बैग सबडीलर महक मशीनरी स्टोर रूद्रपुर मैशीफर्गुशन और आश्यर कम्पनी ट्रैक्टर विक्रेता / सप्लायर और मैग्मा फाइनेन्स कम्पनी लिमिटेड कार्यालय हल्द्वानी जिला नैनीताल का सर्वे विकास अधिकारी बताया। अमन पुत्र हंसी निवासी ग्राम रोशनपुर गदरपुर। उन्होंने बताया कि तहसील सितारगंज में वर्ष 2013 में सरकारी योजना के अन्तर्गत अनुदान में अनुसूचित जनजाति (थारू जाति) के छोटे-(शेष पृष्ठ सात पर)

पंतनगर पहुंचने पर सीएम धामी का किया स्वागत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पंतनगर आगमन पर रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा ने समेत तमाम भाजपाईयों ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। इस दौरान विधायक शिव अरोरा ने रुद्रपुर क्षेत्र से जुड़े कई अहम मुद्दों को लेकर सीएम से बातचीत भी की। उन्होंने बहुप्रतीक्षित मांग रूद्रपुर क्षेत्र में जाम की समस्या को देखते हुए मल्टीस्टोरी पार्किंग निर्माण कार्य को धरातल पर उतारने, नए इंटर कॉलेज का निर्माण, सुंदर पार्क निर्माण आदि की मांगों को मुख्यमंत्री धामी के समक्ष रखा साथ ही केंद्रीय विद्यालय निर्माण जो रुद्रपुर क्षेत्र मे प्रस्तावित है उसकी प्रकिया को आगे बढ़ाने का भी आग्रह किया। इसके अलावा कई अन्य लंबित पड़े कार्यों को लेकर भी सीएम धामी के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री धामी ने विधायक शिव अरोरा को अश्वस्त किया कि सभी कार्यों को प्राथमिकता के (शेष पृष्ठ सात पर)

अकाउंटेंट ने फर्जी जीएसटी चालान बनाकर की 11.61 लाख की धोखाधड़ी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। एक फर्म में अकाउंटिग का कार्या करने वाले व्यक्ति ने फर्जी चानाल बनाकर फर्म से 11.61 लाख की धोखाधड़ी कर ली। मामले की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में रोहित कुमार गर्ग ने कहा है कि वह मै0 माया इण्टरप्राइजेज तथा उसके पिता रमेश कुमार गर्ग फर्म आरके इण्डस्ट्रीज पता गाबा काम्पलेक्स, नियर आईडीबीआई बैंक काशीपुर रोड़ रूद्रपुर के स्वामी हैं। दोनों ने माह फरवरी 2019 में अपनी-अपनी फर्मों का जीएसटी एंव अकाउटिंग का सारा कार्य हर्षित गुम्बर पुत्र राजकुमार गुम्बर निवासी- वार्ड 5, आवास विकास गदरपुर को दिया था। जिसमें हर्षित गुम्बर का कार्य जीएसटी पोर्टल पर सेल, पर्चेस अंकित कर उसके आधार पर जीएसटी चालान बनाकर दोनों फर्मों का जीएसटी टैक्स जमा कराना था। इस कार्य का तय मेहनताना 5हजार रूपये प्रति फर्म प्रति माह दोनों फर्मों से चेक द्वारा हर्षित गुम्बर को अदा किया गया है। हर्षित गुम्बर से अच्छी मित्रता एंव विश्वास होने के कारण उसने अपना जीएसटी पोर्टल और न ही अपने पिता का जीएसटी पोर्टल चेक किया। इसी विश्वास का फायदा उठाकर हर्षित गुम्बर ने धोखा धड़ी की मंशा से जीएसटी पोर्टल पर अपना मोबाइल नम्बर एंव अपनी ई-मेल आईडी रजिस्टर्ड करा ली। जिससे भविष्य में टैक्स सम्बन्धित कोई भी जानकारी मुझे व मेरे पिता का न मिल सके। कुछ समय तक जब उसे और उसके पिता को कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई तो अपना-अपना जीएसटी पोर्टल चेक कराया और (शेष पृष्ठ सात पर)

चारधाम यात्रा के लिए अनिवार्य पंजीकरण की एडवाइजरी जारी

मुख्य सचिव ने सभी राज्यों के श्रद्धालुओं और ट्रैवल एंड टूर एजेंसियों से की पंजीकरण करने की अपील

देहरादून(उद संवाददाता)। बुधवार को मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी द्वारा अनिवार्य पंजीकरण की एडवाइजरी जारी किया गया। जिसमें तीर्थयात्रियों से कहा गया है कि पंजीकरण के बाद ही यात्रा पर आएं। बिना पंजीकरण के आने पर उन्हें बैरियर या चेक प्वाइंट पर रोका जा सकता है। ऐसा होने पर उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि पंजीकरण होने पर वे निधर्ारित तिथि पर ही यात्रा पर आएं। जिस धाम की यात्रा पर आ रहे हैं, उसी रूट पर जाएं। यात्रा कराने वाले टूर एवं ट्रेवल्स एजेंसियों से भी यात्रियों के पंजीकरण को सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रदेश सरकार ने टूर एवं ट्रेवल्स एजेंसियों से यात्री वाहन का ट्रिप कार्ड भी सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। अपेक्षा व्यक्त की गई है कि सभी तीर्थयात्री यात्रा एडवाइजरी का पालन करते हुए शासन-प्रशासन को सहयोग करेंगे। सरकार ने प्रदेश में चारधाम में आने वाले यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए पंजीकरण की तिथियों पर ही चारधाम यात्रा करने की अपेक्षा की है। यह स्पष्ट किया गया है कि चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की ओर से इसकी सूचना सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को भी भेजी गई है। साथ ही उनसे यात्रा के संबंध में जारी दिशा-निर्देश साझा करते हुए राज्यों के संबंधित अधिकारियों व आमजन तक यह सूचना पहुंचाने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चारधाम यात्रा

को व्यवस्थित करने के दृष्टिगत लगातार समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। उनके निर्देशों के क्रम में मुख्य सचिव ने सभी राज्यों को चारधाम यात्रा के संचालन को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि श्रद्धालुओं ने जिन तिथियों के लिए पंजीकरण कराया है वे उन्हीं तिथियों पर यात्रा के लिए आएं। इससे यात्रियों की संख्या निर्यात्रित करने और व्यवस्था बनाने में सहायता मिलेगी। साथ ही बताया गया है कि जिन श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें यात्रा मार्ग पर बने चेक प्वाइंट पर रोक लिया जाएगा और बिना पंजीकरण के आगे नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने टूर एंड ट्रेवल्स एजेंसियों से बुकिंग कराने वाले श्रद्धालुओं से नियमानुसार पंजीकरण कराने की व्यवस्था का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्य सचिव ने अपेक्षा की कि ट्रिप कार्ड बनाकर वाहन संचालित किया जाए। उन्होंने सभी राज्यों से अपील की है कि वे चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन में सहयोग देते हुए इन दिशा-निर्देशों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं।

कपाट खुलने के बाद अब तक चारधाम पहुंचे आठ लाख से अधिक तीर्थयात्री

देहरादून। चारधाम यात्रा में चारधामों के दर्शन के लिए रिकॉर्ड तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। यात्रा शुरू होने से अब तक आठ लाख से ज्यादा श्रद्वालु दर्शन कर चुके हैं। यात्रा के शुरुआती 10 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्वालुओं की तुलना की जाए तो पिछले साल की तुलना में इस बार 4.20 लाख श्रद्वालु अधिक आए हैं। चारधामों में भीड़ प्रबंधन में सरकारी मशीनरी के पसीने छूट रहे हैं। इस बार चारधाम यात्रा 10 मई से शुरू हुई। पहले दिन कपाट खुलने से केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में दर्शन के लिए क्षमता से अधिक भीड़ उमड़ रही है। मंगलवार को भी चारधाम में 80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इसमें केदारनाथ धाम में 38 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। पिछले वर्ष 22 अप्रैल 2023 को चारधाम शुरू हुई थी। चारधाम में 10 दिन के भीतर कुल 3.63 लाख तीर्थ यात्रियों ने दर्शन किए थे। इस बार यह आंकड़ा आठ लाख पार कर गया है। धामों में भीड़ को देखते हुए प्रदेश सरकार ने ऑफलाइन पंजीकरण पर रोक लगाई है। जबकि मई और जून माह में यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। श्री यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम में आने वाले तीर्थयात्रियों की

केदारनाथ के रावल भीमाशंकर लिंग को एयरलिफ्ट कर पहुंचाया अस्पताल

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ के रावल भीमाशंकर लिंग का अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें एयरलिफ्ट कर देहरादून के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे रावल भीमाशंकर लिंग के सीने में दर्द हुआ था। तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हेलिकॉप्टर से हायर सेंटर रेफर किया गया।

संख्या आज रिकॉर्ड तीन लाख के आंकड़े को पार कर गयी है। इस वर्ष कपाट खुलने के बाद से अभी तक तेरह दिनों में भीतर ही इन दोनों धामों में 3,15,622 श्रद्धालुओं का आगमन हो चुका है। रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्रियों के आगमन के बावजूद यात्रा सुचारू और सुव्यस्थित रूप से जारी है और सड़कों पर वाहनों का सुगमता पूर्वक संचालन हो रहा है। जिससे यात्रा में अब काफी कम समय लग रहा है। सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित कराने के लिए जिलाधिकारी उत्तरकाशी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट के द्वारा जारी एसओपी के अनुपालन को लेकर तीन अधिकारियों को अलग से जिम्मेदारी सौंपते हुए जानकीचट्टी एवं यमुनोत्री में तैनात किया गया है।

केदारनाथ यात्रा के पंजीकरण के नाम पर लाखों की ठगी

रूद्रप्रयाग में यात्रियों की चैकिंग शुरू,फर्जी पंजीकरण बनाने वाले नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज

रूद्रप्रयाग (उद संवाददाता)। केदारनाथ यात्रा के पंजीकरण के नाम पर फर्जी पंजीकरण देकर 4.40 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने यात्रियों की लिखित शिकायत पर नौ लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए हैं। रुद्रप्रयाग एसपी डॉ. विशाख अशोक भदाणे ने पत्रकार वार्ता में बताया कि केदारनाथ यात्रा में यह पहला प्रकरण है,जब पंजीकरण के लिए यात्रियों से इस तरह से ठगी गई है। उन्होंने बताया कि बुधवार को ऋषिकेश- बदरीनाथ राजमार्ग पर जवाड़ी बाईपास स्थित पुलिस चौकी पर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान कुछ यात्रियों के पंजीकरण को चेक किया तो पंजीकरण और पंजीकरण में अंकित तिथि में काफी अंतर दिखा। जांच करने पर पता चला कि बाद की तिथि के पंजीकरण में फेरबदल कर उसे वर्तमान तिथि में उपयोग में लाया गया है। एसपी ने बताया कि पुलिस ने संबंधित यात्रियों और ट्रेवल्स एजेंसी के कर्मचारी से पूछताछ की तो स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई। यात्रियों ने बताया कि वह अलग-अलग प्रांतों से केदारनाथ यात्रा पर आए हैं। हरिद्वार में टूर ऑपरेटर के माध्यम से कुछ लोगों ने उनका पंजीकरण किया है। बताया कि रजिस्ट्रेशन के लिए हरिद्वार व दिल्ली में उनसे कुछ लोगों ने 2500 रुपये से लेकर 3.50 लाख रुपये तक लिए थे। लेकिन यहां जांच में उनका रजिस्ट्रेशन फर्जी मिला है। डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने बताया कि पीड़ितों की लिखित शिकायत पर 9 के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। साथ ही यात्रियों के द्वारा जिन लोगों के नाम बताए गए हैं, उनके बारे में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। बता दें कि इससे पहले यमुनोत्री धाम में फर्जी पंजीकरण के साथ दो बसें पकड़ी गई थीं। जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। एसपी रूद्रप्रयाग डा. विशाखा अशोक भदाणे ने फर्जी पंजीकरण के जरिये यात्रियों को चारधाम के दर्शन के लिए भेजे जाने पर सख्त एक्शन लेते हुए नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यात्रियों की चैकिंग के दौरान पकड़े गये फर्जी पंजीकरण को लेकर की गई पुलिस की कार्यवाही की जानकारी देते हुए एसपी विशाखा ने बताया कि जनपद

रुद्रप्रयाग में प्रचलित श्री केदारनाथ धाम यात्रा में अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु एवं यात्री वाहन आ रहे हैं। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से लेकर आतिथि तक यानि मात्र 12 दिवसों में ही साढ़े तीन लाख से अधिक यात्री केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं। जबकि केदारनाथ धाम सहित यात्रा पड़ावों पर रुकने की एक निश्चित क्षमता है और जनपद में स्थित पार्किंगों की भी एक निश्चित क्षमता है। सबसे बड़ी बात कि सीतापुर व सोनप्रयाग स्थित पार्किंगों में किसी वाहन की एन्ट्री हो जाने के उपरान्त वाहन तीन दिन तक पार्किंग में ही रहता है। पार्किंग की एक निश्चित क्षमता होने तथा इससे निकासी काफी कम होने व बाहर से अत्यधिक संख्या में वाहनों के आने से यात्रा मार्ग पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा है। पुलिस के स्तर से बिना पंजीकरण अथवा बाद की तिथि के पंजीकरण वाले यात्रियों व वाहनों की चेकिंग निरन्तर की जा रही है। पुलिस के स्तर से की जा रही चेकिंग की मॉनीटरिंग स्वयं पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग के स्तर से भी की जा रही है। चेकिंग ड्यूटी पर नियुक्त पुलिस बल ने सख्ती के साथ चेकिंग की कार्यवाही की गयी। पुलिस बल के स्तर से जवाड़ी पर पहुंचे वाहनों में आये यात्रियों के पंजीकरण को पर्यटन विभाग की टीम के स्तर से नियुक्त स्कैन करने वाले कार्मिकों द्वारा चेक करने पर पाया तो यात्रियों द्वारा दिखाये जा रहे पंजीकरण एवं पंजीकरण में अंकित तिथि में काफी अन्तर आ रहा है, जिससे स्पष्ट है कि बाद की तिथि के पंजीकरणों में कूट रचना करते हुए आजकल की तिथि हेतु उपयोग में लाया जा रहा है। जहां पर कोतवाली रुद्रप्रयाग पुलिस के स्तर से ऐसे कुल 9 प्रकरणों में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

उत्तराखंड में ब्रिटिश कालीन राजस्व पुलिस व्यवस्था होगी समाप्त

हाईकोर्ट ने दिया आदेश: एक साल के भीतर प्रदेश में लागू हो रेगुलर पुलिस व्यवस्था

नैनीताल(उद संवाददाता)। प्रदेश में रेगुलर पुलिस व्यवस्था को लेकर नैनीताल हाईकोर्ट ने आदेश दिए हैं कि राज्य में राजस्व पुलिस व्यवस्था को समाप्त किया जाए और एक साल के भीतर ही प्रदेश में रेगुलर पुलिस व्यवस्था लागू किया जाए। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को एक साल के भीतर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। राजस्व पुलिस व्यवस्था समाप्त करने को लेकर दायर की गई जनहित याचिका का निस्तारण करने के दौरान हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि एक साल के भीतर पूरे प्रदेश में रेगुलर पुलिस की व्यवस्था लागू की जाए। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को रेगुलर पुलिस की व्यवस्था लागू कर उसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने प्रदेश में कई स्थानों पर राजस्व पुलिस व्यवस्था के स्थान पर रेगुलर पुलिस की व्यवस्था लागू कर दी गई है। जबकि बाकी के क्षेत्रों में रेगुलर पुलिस व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रकिया अभी जारी है। बता दें कि साल 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने भी नवीन चंद्र बनाम राज्य सरकार से संबंधित मामले में उत्तराखंड में राजस्व पुलिस व्यवस्था को खत्म करने की जरूरत महसूस की थी। नवीन चंद्र बनाम राज्य सरकार से संबंधित मामले में कहा गया था कि राजस्व पुलिस को सिविल पुलिस की तरह ट्रेनिंग नहीं दी जाती है। ना ही राजस्व पुलिस के पास आधुनिक सुविधाएं डीएनए टेस्ट, ब्लड टेस्ट, फोरेंसिक जांच, फिंगर प्रिंट जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती हैं। जिस कारण राजस्व पुलिस अपराधों की विवेचना करने में परेशानियां होती हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि प्रदेश में सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। बता दें कि साल 2018 में हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार को राजस्व पुलिस व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए थे। लेकिन हाईकोर्ट के आदेश का पूरी तरह से अनुपालन नहीं किया गया। जिसके बाद जनहित याचिका दायर कर कोर्ट में ये अनुरोध किया गया कि पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन कराया जाए। हाईकोर्ट ने हाल ही में आदेश दिए हैं कि राज्य में राजस्व पुलिस व्यवस्था को समाप्त किया जाए और एक साल के भीतर ही प्रदेश में रेगुलर पुलिस व्यवस्था लागू किया जाए। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को एक साल के अंदर रिपोर्ट पेश करने को भी कहा है। जिसके बाद राजस्व पुलिस व्यवस्था चर्चाओं में है कि ये व्यवस्था है क्या और उत्तराखंड में इसे कब लागू

किया गया ? आपको बता दें कि उत्तराखंड देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां पर राजस्व पुलिस यानी कि पटवारी व्यवस्था लागू है। साल 1815 में कुमाऊं और गढ़वाल पर अंग्रेजों का अधिकार था। इसी दौरान इन्होंने ब्रिटिश कुमाऊं को नान रेगुलेटिंग डिस्ट्रिक्ट घोषित कर दिया। अब इस नोन रेगुलेटिंग डिस्ट्रिक्ट के लिए नए नियम कानून बनाए गए जो देश के बाकी हिस्सों से अलग थे। जैसे कुमाऊं कमिश्नर को सिविल मामलों में हाईकोर्ट के जज जितनी पावर दे दी गई और वो अपीलीय प्राधिकारी भी थे। इसके साथ ही यहां कोई कानून लागू नहीं किया गया था। इसकी जगह राज्य में दया भाव पर आधारित व्यवस्था लागू थी। इसी लिए कुमाऊं कमिश्नर डब्लूय ट्रेल ने साल 1818 में पटवारी व्यवस्था लागू करने कि घोषणा की। इस घोषणा के बाद साल 1819 में राज्य में राजस्व पुलिस व्यवस्था की शुरुआत हो गई। ये व्यवस्था देखते ही देखते चल पड़ी और सफल भी रही। इसके सफल होने के पीछे कई वजहें थी। पहली कि पटवारी अपने पद के साथ-साथ गांव के एक सम्मानित सदस्य के रुप में कार्यरत था। काफी जगहों पर पटवारी अपने गांव के परिवारों के साथ उचित सामंजस्य बनाए रखता था। ग्रामीण स्थानों पर शादी-ब्याह के लिए भी पटवारी से एक बुजुर्ग की तरह राय ली जाती थी। अब साल 1821 में राज्य में कुमाऊं कमिश्नर ने पांच पटवारी नियुक्त किए। सरकार इस व्यवस्था से इतनी खुश थी कि जब साल 1825 में कुमाऊं कमिश्नर ने तीन पटवारियों की मांग की तो सरकार ने कमिश्नर को आठ पटवारी उपलब्ध करा दिए। ऐसे करते करते तब कुमाऊं में कुल 63 पटवारी हो गए। बता दें कि इस दौर में पटवारी को हर महीने पांच रुपए तनख्वाह मिला करती थी। पटवारी का काम भू राजस्व इकट्ठा करना और गांव की जमीन की नापजोख करना हुआ करता था। इतिहासकार प्रो. अजय रावत की मानें तो राजस्व पुलिस व्यवस्था में पटवारी को उप का अधिकार भी दिया गया था। व्यवस्था पहाड़ों में काफी सफल रही। जिसके बाद साल 1947 के बाद भी ज्यादातर इलाकों पर ये अब तक मान्य थी।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धितायं ।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ।।
हमारे यहां कुंडली बनाने व दिखवाने एंव वैदिक
ब्राह्मणों द्वारा रूद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ
महामृत्युंजय जप, ग्रह शांति, शतचंडी
यज्ञ एवं समस्त यज्ञ जप इत्यादि
समस्याओं का समाधान
के लिये संपर्क करें :
आचार्य गोपाल शास्त्री जी : 7248133444

दुकान में चोरी करते नशेड़ी को जूते की माला पहनाकर घुमाया

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। दुकान में चोरी का प्रयास करते एक नशेड़ी को लोगों ने रंगेहाथ पकड़ लिया। उसकी जमकर धुनाई लगाने के बाद उसके गले में जूते की माला लटकाकर मोहल्ले में घुमाया गया। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बुधवार को सोशल मीडिया पर एक युवक के गले में चोर लिखी तख्ती और जूते चप्पल की माला पहनाकर जुलूस निकालने का वीडियो वायरल हुआ। बताया जा रहा है कि वार्ड सात में एक युवक चोरी करने के उद्देश्य से एक दुकान में घुसा था। इसे लोगों ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। धुनाई लगाने के बाद उसके गले में जूते और चप्पल की माला पहना दी। लोगों का कहना है कि युवक नशे का लती है और नशे की लत पूरी करने को वह लोगों के घर, आंगन, सार्वजनिक स्थानों से अक्सर चोरी करता है। इससे लोग परेशान है। समूचे मोहल्ले में घुमाने के बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। थाने में किसी की ओर से तहरीर नहीं दिये जाने पर पुलिस ने आरोपी को छोड़ दिया।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग
ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें–
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार,निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द,किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा
शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

अटल उत्कृष्ट विद्यालयों के परिणाम की समीक्षा

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जनपद के अटल उत्कृष्ट विद्यालयों का अकादमिक वर्ष 2023-24 में बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम पर समीक्षा करते हुए प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए कि जिन विषयों में छात्रों का प्रदर्शन खराब रहा है, उन विषयों के शिक्षकों पर कार्यवाही करें व उन्हें बेहतर परीक्षा परिणाम प्राप्ति के लिए प्रेरित करें, यह निर्देश विकास भवन स्थित गांधी हॉल में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेते हुए दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से विषयवार व संकायवार परीक्षाफल पर चर्चा की, खराब प्रदर्शन के कारण जानें व उनकी समीक्षा की जिसमें विद्यार्थियों की कम उपस्थिति, विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, शिक्षण का माध्यम अंग्रेजी होना जैसे कारणों पर चर्चा की गई। उन्होंने परीक्षाफल में सुधार के लिए कम्पार्टमेंट प्राप्त छात्रों पर अगले दो माह में अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि जिन विद्यालयों का परीक्षाफल अच्छा रहा है उनसे समन्वय कर बेहतर शिक्षण तरीकों को अपनाएं तथा ऐसे तरीकों को अपनाएं जो बच्चों के लिए रूचिकर हों। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा उनकी काउंसलिंग करें व उन्हें बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करें साथ ही पीटीए मीटिंग करते हुए उनके परिजनों को भी प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे कारक जो बच्चों के ज्ञान, कौशल, योग्यताएं व मूल्यों में वृद्धि के लिए अच्छे हैं उन पर विशेष ध्यान दें। कहा कि जो छात्र लगातार विद्यालय नहीं आ रहे हैं, उनके परिजनों से बात करें साथ ही उनकी सूची बनाकर खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से हमें प्रेषित करें ताकि छात्रों व अभिभावकों की काउंसलिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है उन विद्यालयों में ऑनलाईन पीएम ई-विद्या चैनल के द्वारा कक्षाएं संचालित की जाएं। मुख्य विकास अधिकारी ने डायट के प्राचार्य को निर्देश दिए कि जो एनजीओ शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं, उनसे शिक्षण कौशल व पठन-पाठन के तरीकों का आदान-प्रदान करें साथ ही शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी के.एस.रावत, जिला शिक्षा अधिकारी डी.एस. राजपूत, खंड शिक्षा अधिकारी, डायट प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र सिंह सहित संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य मौजूद थे।

महान गुरमत समागम एवं जोड़ मेला का शुभारंभ

गदरपुर(उद संवाददाता)। पवित्र स्थान निर्मल तख्त बाबा बुड्ढा जी नंबर चार, नवाब गंज खेड़ा,लेवड़ा, तहसील बाजपुर,जिला उधम सिंह नगर, उत्तराखंड में 56वें सालाना वार्षिक महान जोड़ मेला एवं धार्मिक समागम का शुभारंभ श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पाठ के भोग के उपरांत किया गया। पंजाब के श्री रामदास श्री अमृतसर से पधारे बाबा भगवंत भजन सिंह के दिशा निर्देशन में महान जोड़ मेला समागम का शुभारंभ हर वर्ष की भांति अरदास के साथ किया गया। 23 मई को गुरु अमर दास जी के पावन प्रकाश पर्व को समर्पित महान गुरमत समागम में

दूरदराज से आई हजारों की संख्या में संगत प्रतिभाग कर रही है वहीं विभिन्न प्रकार की दुकानें,झूले एवं अन्य सामान के स्टाल भी लगने शुरू हो गए हैं। तीन दिवसीय जोड़ मेले में श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा साहिब द्वारा दिन भर ठंडे मीठे पानी की छबील एवं गुरु का लंगर भी उपलब्ध कराया जाता है। इस मौके पर कार्यक्रम में भाई बलविंदर सिंह के कविश्री जत्थे ने गुरु इतिहास श्रवण करवाकर संगत को निहाल किया वहीं कथा वाचक सतनाम सिंह एवं देवेंद्र सिंह द्वारा भी गुरु अमर दास जी के प्रकाश पर्व पर उनके जीवन एवं सिद्धांतों का वर्णन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।निर्मल तख्त बाबा बुड्ढा जी नवाबगंज खेड़ा बाजपुर के बाबा बलजीत सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति लगने वाले जोड़ मेले में वाहन पार्किंग,दुकानों की व्यवस्था,संगत के ठहरने के लिए व्यवस्था और गुरु के लंगर की सेवाएं श्रद्धालुओं सेवादारों को बांट दी गई है । उन्होंने सभी संगत से समय अनुसार कार्यक्रम में पहुंचकर सहभागिता करने तथा सेवादारों द्वारा किए जा रहे दिशा निर्देशन के अनुसार नियमों का पालन करने का आह्वान किया है।

भवाली हाईवे पर मलवा आने से यातायात बाधित

नैनीताल। भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर क्वारब क्षेत्र में बारिश में एनएच (राष्ट्रीय राजमार्ग) पर मलबा गिरने से बुधवार की शाम करीब तीन घंटे (शाम चार से सात बजे तक) यातायात बंद रहा। इसके चलते अल्मोड़ा और हल्द्वानी आने-जाने यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। क्वारब निवासी दीवान सिंह की दुकान में बारिश का पानी घुस गया। जिससे दुकान में रखा सामान खराब हो गया। शात सात बजे मलबे को हटाकर यातायात सुचारू किया गण। पहाड़ी से पत्थरों को गिरता देख पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने सड़क को वनवे कर वाहनों को उन्हें आगे के लिए रवाना किया। वहीं क्वारब स्थित कलमठ पर मलबा आने से सड़क क्षतिगस्त हो गई। जिससे वाहन चालकों, यात्रियों और सैलानियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। कोश्याकुटौली के एसडीएम बीसी पंत ने बताया कि राजस्व टीम को मौके पर भेजा गया है। फिलहाल किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सड़क पर आए मलबे को जेसीबी से हटाकर यातायात सुचारू किया गया। भीमताल, भवाली, मुक्तेश्वर, गरमपानी में बुधवार को करीब एक घंटे हुई जोरदार बारिश से भीमताल, भवाली, ओखलकांडा, बेतालघाट, गरमपानी, मुक्तेश्वर, धारी और रामगढ़ क्षेत्र की सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। सड़क पर जलभराव होने से व्यापारियों, पैदल राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं एक ही बारिश ने नगर पालिका की पोल खोल कर रख दी। व्यापारी धन सिंह राणा ने बताया कि मूसलाधार बारिश से सड़क पर पानी भर गया। इससे दुकानों में पानी घुस गया। साथ ही सड़क पर चलने वाले लोग परेशान रहे। इधर, ओखलकांडा में एक घंटे हुई मूसलाधार बारिश से पुटपड़ी मार्ग पर गधेरा आने से सड़क पर मलबा आ गया। इससे स्थानीय वाहन चालकों को आधे घंटे तक परेशान रहना पड़ा। बाद में बारिश बंद होने के साथ सड़क पर आवाजाही शुरू हुई। मुक्तेश्वर, रामगढ़, धारी, भीमताल, धानाचूली, बेतालघाट के किसानों ने बताया कि बारिश होने से खेतों में लगी फसलों को अच्छी नमी मिली है। इससे फसलों का उत्पादन थोड़ा बढ़ने की उम्मीद है। नौकुचि यातात के अंतिम छोड़ चनौती में बुधवार की शाम बारिश से झील किनारे सड़क की सुरक्षा दीवार और बिजली का पोल क्षतिग्रस्त हो गया।

आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

गदरपुर(उद संवाददाता)। आंगनबाड़ी केंद्र के नए भवन के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं , सिर्फ बीम पर ही बन रहा ग्राम राम जीवनपुर नंबर 3 में आंगनबाड़ी भवन,नीचे दीवार ही नहीं बनी अंदर गन्ने की खोई भर कर हो रहा भरान,मिट्टी नहीं भरी जा रही। लोगों द्वारा नुक्ता चीनी भी की जा रही है।तहसील मुख्यालय एवं ब्लॉक कार्यालय में उर्मिल सेठी ने शिकायती पत्र दे कर जांच एवं कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं ग्राम प्रधान और जेई की मिली भगत से हो रहे गुणवत्ता हीन कार्य पर लोगों द्वारा उंगली उठाई जा रही है। और लोगों ने उक्त कार्य रुकवाने की मांग की है।

मजदूरी के रूपये नहीं देने का आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बरेली निवासी मो. अली पुत्र जुम्मा शाह ने प्रवर्तन अधिकारी को दिए एक शिकायती पत्र में उसका तथा उसके साथियों का मजदूरी का एक लाख रुपया ठेकेदार व मालिक द्वारा न देकर धमकाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। मौ. अली का कहना है कि उसने व उसके साथियों द्वारा राजमिस्त्री व मजदूरी का कार्य ठेकेदार निवासी फिरोजपुर किच्छा व मालिक निवासी रुद्रपुर के अधीन ग्राम छिनकी कुरैया में खेत में दीवार का निर्माण कार्य किया। जिसमें ठेकेदार व मालिक ने 15 हजार रुपए दिए। हम सबकी कुल मजदूरी एक लाख रूपये बनती है। ठेकेदार व मालिक के पास मजदूरी मांगते जा रहे है। परंतु उन्हें मजदूरी नहीं दे रहे।

पूर्णिमा के उपलक्ष्य में
श्री बालाजी दरबार
दिनांक 23 मई 2024, दिन बृहस्पतिवार रात्रि 9 बजे से
स्थान- श्री नीलकंठ मंदिर आदर्श कालोनी,रूद्रपुर
निवेदक-विकास शर्मा
9897545454, 8272020006

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए पहला जत्था रवाना

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को ऋषिकेश से पंज प्यारों की अगुवाई में हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए जाने वाले प्रथम जत्थे को रवाना किया। राज्यपाल ने इस दौरान यात्रा के लिए जाने वाले संगतों के प्रथम जत्थे को बधाई देते हुए उनके सुगम व सुरक्षित यात्रा की कामना की। राज्यपाल ने कहा कि हेमकुंड साहिब जी की यात्रा हम सबके लिए श्रद्धा, भक्ति और विश्वास की यात्रा है। यह यात्रा गुरुओं के चरणों में अपनी सच्ची आस्था प्रकट और उनकी कृपा प्राप्त करने की भी यात्रा है। उन्होंने कहा कि पवित्र तीर्थ स्थली श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा करना सौभाग्य की बात है। 15 हजार फीट की ऊंचाई तक की यह यात्रा, रोमांचित कर देने वाली कठिन यात्रा है। 18 किलोमीटर की यह पैदल यात्रा, हर एक श्रद्धालु की कठिन परीक्षा लेने वाली यात्रा भी है। यह प्रसन्नता की बात है कि आप सभी श्रद्धालु-जन, इस कठिन और पवित्र यात्रा के साक्षी बन रहे हैं और सभी इस यात्रा को लेकर उत्साहित हैं। सिख गुरुओं को स्मरण करते हुए राज्यपाल ने कहा, ''स्वाभिमान, साहस, बलिदान, परिश्रम और सेवा के मार्ग पर चलकर ''सवा लाख ते एक लड़ावां'' का संदेश अदम्य साहस की शिक्षाओं का सार है। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्थानीय प्रशासन और तीर्थ यात्रा समिति को बधाई दी और यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंध की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि और प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और यात्रा सुचारू चल रही है। इस अवसर पर हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने यात्रा तैयारियों और उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए संगतों की सफल यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार प्रो0 दिनेश चंद्र शास्त्री, हंस फाउंडेशन की प्रमुख माता मंगला, भोले जी महाराज, परमार्थ निकेतन आश्रम के प्रमुख चिदानंद सरस्वती, पद्मश्री संत बलवीर सिंह सिच्चेवाल, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ गीता खन्ना सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

!! जय माता दी !! !! जय माता दी !!

चलो बुलावा आया है ! माता ने बुलाया है !!

चलो बुलावा आया है ! माता ने बुलाया है !!

माँ भगवती का 22वाँ विशाल जागरण

का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आपकी सपरिवार हाजिरी सादर प्रार्थनीय हैं। आप सपरिवार जागरण में सम्मिलित होकर माँ भगवती का गुणगान सुने व पुण्य के भागी बनें।

कार्यक्रमः-

दिनांक-25-मई- दिन शनिवार विशाल जागरण रात्रि 9 बजे से

दिनांक-26-मई-2024 दिन रविवार को प्रातः 7:30 आरती व माता रानी का भोग

विशाल मण्डारा 26 मई प्रातः 8 बजे से

निवेदकः- माँ भगवती जागरण मंच

श्याम टाकीज रोड, रूद्रपुर (ऊधमसिंह नगर)

अवैध कालोनियों का फैल रहा जाल

भरतपुर में 35 बीघा भूमि पर तैयार हो रहा है केदार हाइट

काशीपुर(उद संवाददाता)। जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक रुहेला द्वारा जहां एक और अवैध कॉलोनीयों के खिलाफ निरंतर कार्यवाही करते हुए तल्ख रुख अपनाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर कुछ हेकड़ किस्म के भू माफिया सरकार की नीतियों को ताक पर रखकर गैर कानूनी ढंग से अवैध कालोनियों को काटने में लिप्त देखे जा रहे हैं। ऐसे ही मुरादाबाद निवासी एक भूमाफिया ने गढ़ी नेगी रोड पर भरतपुर के समीप कई एकड़ (35 बीघा) भूमि में अवैध कॉलोनी काट दी। केदार हाइट के नाम से इसका नामकरण भी कर दिया गया। उसने लोक निर्माण विभाग की सरकारी नाले पर बगैर अनुमति के अपने तरीके से निर्माण करा लिया और नाले पर स्लैब डाल दिया गया। इस बारे में जब मोबाइल फोन पर भूमाफिया से जानकारी लेने का प्रयास किया तो उसने बताया कि कॉलोनी कानून के मुताबिक काटी जा रही है। उसके मुताबिक उसने राजस्व के दस्तावेजों में उक्त उपजाऊ भूमि को गैर उपजाऊ करा लिया। बताया कि विकास प्राधिकरण से नक्शा भी पास हो चुका है जबकि सूत्रों का कहना है कि यह कॉलोनी पूरी तरह अवैध है विकास प्राधिकरण से ना ही कोई नक्शा पास किया गया है और ना ही इसकी 143 कराई गई है। मजे की बात तो यह है कि कई एकड़ में काटी जा रही इस कॉलोनी की जमीन गैर राज्य के किसी व्यक्ति के नाम रजिस्ट्री कैसे कर दी गई यह अपने आप में जवलंत सवाल है। इसी तरह हरियावाला रोड पर बाबरखेड़ा मोड़ के समीप एक बड़े भूभाग पर दर्जनों आम के हरे-भरे वृक्षों को काटकर उक्त स्थान पर एक भूमाफिया द्वारा कॉलोनी काटे जाने का खेल चल रहा है। जानकार बताते हैं कि इसी स्थान पर अभी और सैकड़ो हरे-भरे पेड़ों पर आरी चलाई जा सकती है।

प्लाट खरीदने वालों में संशय, सावधानी जरूरी

काशीपुर। उत्तरांचल दर्पण हिंदी सांध्य दैनिक में निरंतर प्रकाशित हो रही अवैध कॉलोनीयों को काटे जाने की खबरों को जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण ने गंभीरता से लिया है। पिछले एक मांह के भीतर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक रुहेला ने दर्जनों अवैध कॉलोनीयों पर बुलडोजर चलवा दिया अथवा नोटिस भेज कर जवाब तलब किया है। विकास प्राधिकरण की कार्यवाही से भू माफियाओं में हड़कंप है तो वहीं दूसरी ओर प्लॉट खरीद कर अपना आशियाना बनाने वाले तमाम परिवारों मैं जमीन खरीदने को लेकर भारी संशय की स्थिति बनी है।

रसोई में चाय बनाते समय फटा गैस सिलेंडर

आग से दो महिलायें व दो बच्चे झुलसे

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जगदंबा विहार कॉलोनी स्थित एक घर में अचानक सिलिंडर फट गया। तेज धमाके के साथ फटे सिलेंडर से लगी तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक महिला झुलस गयी। जबकि दो बच्चे और एक महिला सिलिंडर के अवशेष शरीर में लगने से घायल हो गईं। घरवालों ने स्थानीय लोगों की मदद से एक घंटे में आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक पीलीकोठी में जगदंबा विहार कॉलोनी में राम अवतार पाल परिवार के साथ रहते हैं। राम अवतार के छोटे बेटे सुभाष पाल ने बताया कि बुधवार को घर में पूजा-पाठ होनी थी। शाम को परिवार की महिलाएं घर के निचले तल पर बने किचन में चाय बना रही थी कि तभी अचानक सिलिंडर में आग लग गई। कोई कुछ समझा पाता, इससे पहले ही आग फैलने लगी और कुछ ही देर में जोरदार धमाके के साथ सिलिंडर फट गया। सिलिंडर की आग से किचन में रखे फ्रिज का कंप्रेशर भी फट गया। अग्निकांड में 35 वर्षीय मंजू पाल पत्नी दिनेश पाल बुरी तरह झुलस गईं। जबकि 32 वर्षीय रूपा पाल पत्नी हरीश पाल, 12 वर्षीय आदित्य और 8 वर्षीय पीयूष सिलिंडर के टुकड़े शरीर में लगने से घायल हो गये। महिलाओं और बच्चों की चीखपुकार सुन दौड़े अन्य लोगों ने किसी तरह सभी को बाहर निकालकर मुखानी स्थित निजी अस्पताल भिजवाया। देखते-देखते आग ने तीन मंजिल भवन को अपनी चपेट में ले लिया। आनन-फानन में परिवार के अन्य लोगों ने आग पर काबू पाया। आग लगने से लाखों के नुकसान की आशंका है। सिलिंडर फटने के कारण घर की एक दीवार में भारी दरार के साथ छत की सरिया नजर आने लगी। गनीमत रही कि दीवार गिरी नहीं वरना जान-माल का नुकसान बढ़ सकता था। सीएफओ गौरव किरार का कहना है कि घटना की सूचना उन्हें सवा पांच बजे मिली और फौरन टीम मौके पर भेज दी गई थी।

पानी सप्लाई ठप होने से शहरवासियों के हलक सूखे

विद्युत सप्लाई प्रभावित होने से खाली रह गए सिटी के वाटर टैंक

सितारगंज(उद संवाददाता)।विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने से शहर भर में जलापूर्ति बाधित हो गई। इस वजह से करीब दो हजार शहरी उपभोक्ताओं को गुरुवार की सुबह भीषण गर्मी में पानी नहीं मिल सका। जिस वजह से शहरवासियों की दिनचर्या भी प्रभावित हो गई। वे बाल्टिया लेकर पानी के लिए इधर उधर भटकते दिखे। स्नान नहीं कर सके। जल संस्थान ने शहरी क्षेत्र में शाम तक जलापूर्ति सुचारू होने की जानकारी दी है। इधर भाजपा नेता संजय गोयल ने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को शहर में जल की समस्या से अवगत कराया। कैबिनेट मंत्री ने जल संस्थान के उच्च अधिकारियों को समाधान के तत्काल निर्देश दिए हैं। भीषण गर्मी का प्रकोप चल रहा है। गर्मी और जल दोहन के कारण भूजल काफी नीचे चला गया है। जिससे शहरी क्षेत्र के समस्त वार्डों में लगे घरेलू नलों में पानी आना बंद हो गया है। भूजल प्रभावित होने के कारण शहरवासी पानी को तरसे हुए हैं। घरों में पानी सप्लाई दुरुस्त करने करने के लिए शहरवासियों ने जल संस्थान से पानी के कनेक्शन भी लिए हैं। भीषण गर्मी में जल संस्थान के भरोसे ही लोगों के घरों में पीने के लिए पानी आ रहा था। गुरुवार की सुबह अचानक जल संस्थान से जुड़े उपभोक्ताओं के नलों में पानी की सप्लाई ठप हो गई। इस कारण पानी को लेकर हाहाकार मच गया। शहरवासी पानी के लिए हाथों में बाल्टी लेकर इधर-उधर भटकने लगे। उनकी दिनचर्या भी प्रभावित हो गई। पानी की कमी के कारण लोग स्नान भी नहीं कर सके। जल संस्थान के जेई उज्जवल चौधरी ने बताया कि विद्युत आपूर्ति में तकनीकी खराबी के कारण जलापूर्ति की गुरुवार को दिक्कत हुई है। वहीं शहरी क्षेत्र में पानी सप्लाई करने के लिए जल संस्थान विभाग के पास दो वॉटर टैंक की व्यवस्था है। जिनमें एक टैंक में 135 केएल, दूसरे में 1200 केएल पानी भरने की क्षमता है। बुधवार की रात को विद्युत आपूर्ति टू फेस होने के कारण दोनों टैंक खाली रह गए। जिस वजह से गुरुवार की सुबह पानी सप्लाई प्रभावित हो गई।

जल आपूर्ति बाधित होने पर कैबिनेट मंत्री से की वार्ता : संजय गोयल

सितारगंज। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय गोयल ने कहा कि गर्मी में हर घर में पानी की आवश्यकता है। परंतु लो वोल्टेज की समस्या होने के कारण शहर के दो हजार उपभोक्ताओं के घरों में गुरुवार को पानी सप्लाई ठप रही। जिससे आमजन की भीषण गर्मी में दिनचर्या प्रभावित हुई है। लोग पानी को परेशान हुए है। शहर में जल आपूर्ति बाधित होने की सूचना कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से की गई है। उन्होंने तत्काल जल संस्थान के उच्च अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए है। इसके अलावा उन्होंने लो वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए जल संस्थान के वाटर टैंक को पानी से भरने के लिए कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से जनरेटर आदि संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की। संजय गोयल ने बताया कि शहरी क्षेत्र में बिछी अधिकांश पाइपलाइन में गंदला पानी भी आ रहा है। उन्होंने जल संस्थान के जिम्मेदार अधिकारियों से समाधान करने की मांग की। ताकि शहर के उपभोक्ता गर्मी में नियमित पाने के साथ ही शुद्ध जल का सेवन कर सके।

भीषण गर्मी में नियमित मिले पानी: सरताज

सितारगंज। कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सरताज अहमद ने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में उपभोक्ताओं को जल संस्थान नियमित पानी उपलब्ध कराए। गुरुवार की सुबह शहरी क्षेत्र में पानी सप्लाई ठप होने से आमजन को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। जल संस्थान को चाहिए कि शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग से पर्याप्त मात्रा में विद्युत की परियोजना बनाएं। ताकि लो वोल्टेज की समस्या के कारण पानी शहर में सप्लाई ठप न हो सके।

डीपीएस में मेधावियों को किया सम्मानित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रांगण मे सत्र 2024 -25 के लिए छात्र संसद का गठन किया गया। साथ ही पिछले सत्र के मेधावी छात्रों का विद्यालय द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय परंपरा का निर्वाह करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर और अतिथियों के स्वागत के साथ शुरू हुई। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि श्रीमती एवं अतुल बंसल मैनेजिंग डायरेक्टर, रुद्रपुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एवं डॉ संजीव सुमन सहायक प्रोफेसर पंतनगर विश्वविद्यालय थे। समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों ने सभी आगन्तुक अतिथियों और अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में प्रत्येक हाउस से चयनित छात्र-छात्राओं ने मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। छात्र परिषद के सदस्यों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए शपथ ग्रहण की और अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इसके साथ ही कक्षा 6 से 12 तक प्रतिभावान छात्रों को उनके अभिभावकों के साथ आगन्तुक अतिथियों ने सम्मानित किया। विशिष्ठ अतिथि श्री बंसल ने अपने वक्तव्य में कहा कि छात्र जीवन में अनुशासन का बहुत महत्त्व है यदि हम छात्र जीवन से ही अनुशासन पर ध्यान देंगे तो हम एक अच्छे नागरिक बन सकते हैं। उन्होंने डीपीएस के सभी अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन सुरजीत सिंह ग्रोवर ने सभी प्रतिभावान छात्रों को बधाई दी और साथ ही उन्होंने कहा कि छात्र संसद छात्रों में नेतृत्वशीलता का विकास करती है जिससे वह अपनी जिम्मेदारियों के लिए तैयार होते हैं। अंत में कार्यक्रम की समाप्ति पर विद्यालय द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी ने किया लाइब्रेरी का उदघाटन

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बनभूलपुरा थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी द्वारा भोटियापड़ाव दो नहरिया शनिदेव मंदिर के सामने स्थित रीडिंग नुक लाइब्रेरी का रिबन काटकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर नीरज भाकुनी ने कहा कि यह नई लाइब्रेरी खुलने से बच्चों को पढ़ने के लिए शांत और स्वच्छ वातावरण मिलेगा जिससे बच्चे पढ़ाई में अपना ध्यान लगा पाएंगे और देश प्रदेश में हल्द्वानी का नाम रोशन करेंगे। लाइब्रेरी संचालक रमेश टाकुली, पंकज टाकुली, शैलेंद्र दानू व अभिनव वार्ष्णेय ने बताया कि लाइब्रेरी में बहुत सी सुविधाएं मौजूद है जैसे शांत और शुद्ध वातावरण, फुल एयरकंडीशन रूम, वाई-फाई, न्यूजपेपर, मैगजीन, फ्रेश वाटर, पार्किंग स्पेस आदि शामिल हैं। इस मौके पर नगर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

एसपी यातायात ने सीपीयू कर्मियों को दिए दिशा निर्देश

हल्द्वानी। एसपी यातायात हबंस सिंह ने सिटी पैट्रोल यूनिट के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ गोष्ठी कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पर्यटक सीजन को देखते हुए उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि पर्यटकों एवम आम जनमानस से शालीनता पूर्वक एवं अच्छा व्यवहार किया जाय। यातायात निर्देशों का अनुपालन एवं रूट डायवर्जेट प्लान के बारे आने वाले पर्यटकों से भली-भांति को अवगत कराया जाए, जिससे शहर में जाम की स्थिति न बनें। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्यवाही की जाए। गोष्ठी में प्रभारी सीपीयू जगदीश राम कोहली एवं सीपीयू के समस्त अधिकारी व कर्मचारीथे।

सिक्स सिग्मा में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया, जिसका शुभारम्भ संस्थान के प्रबंधकीय सदस्य वंश डावर एवं शौर्य अरोरा,प्रधानाचार्य अभियन्त्रिकी ललित सिंह बिष्ट, प्रधानाचार्य फार्मेसी डा. विजय सिंह, एन. एस. एस. कार्यक्रम अधिकारी कार्तिक हालदार एवं ललित भट्ट, चन्दन सिंह राणा, संस्थान के मुख्य प्राशसनिक अधिकारी अनुभव बाठला द्वारा किया गया। यह दिवस लोगों और समाज पर आतंकवाद के खतरे को उजागर करने और आतंक के खतरे के प्रति सचेत करने के लिए मनाया जाता है एवं यह दिवस पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की 21 मई 1991 को चेन्नई के पास एक गाँव श्री पेरंबदूर में लिट्टे के अताम्घती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गयी थी उनकी याद में मनाया जाता है । इस कार्यक्रम की शुरुआत एन.एस. एस. के दोनों इकाई के स्वयं सेवकों द्वारा लक्ष्यगीत के साथ प्रारंभ किया गया तत्पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस के बारे में आतंकवाद खत्म करने की रैली का आयोजन किया गया। इस रैली के माध्यम से राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस लोगो को जागरूक किया। इस कार्यक्रम में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी कार्तिक हालदार एवं ललित भट्ट, चन्दन सिंह राणा व एन.एस.एस. टीम सदस्य शिवम् शर्मा ने अपने-अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम के अवसर पर संस्थान के चेयरमैन राजेश डावर, वाइस-चेयरमैन प्रीत ग्रोवर, मैनेजिंग डायरेक्टर सी.ए. शिव अरोरा, निदेशिका डॉ.सीमा अरोरा प्रबंधकीय सदस्य वंश डावर, शौर्य अरोरा, प्रधानाचार्य अभियन्त्रिकी ललित सिंह बिष्ट, प्रधानाचार्य फार्मेसी डा. विजय सिंह, विभाग अध्यक्षा कॉलेज ऑफ नर्सिंग कल्पलता सिंह, विभागाध्यक्षा कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल मिली मंडल, विभागाध्यक्षा मैकेनिकल इंजीनियरिंग मुकेश कुमार, विभागाध्यक्षा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग अमित प्रकाश, विभाग अध्यक्षा सिविल इंजीनियरिंग साहिल छाबड़ा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुभव बाठला एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

ठेकेदार व मालिक पर मजदूरी न देने का लगाया आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बरेली निवासी मो. अली पुत्र जुम्मा शाह ने प्रवर्तन अधिकारी को दिए एक शिकायती पत्र में उसका तथा उसके साथियों का मजदूरी का एक लाख रुपया ठेकेदार व मालिक द्वारा न देकर धमकाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। मौ. अली का कहना है कि उसने व उसके साथियों द्वारा राजमिस्त्री व मजदूरी का कार्य ठेकेदार निवासी फिरोजपुर किच्छा व मालिक निवासी रुद्रपुर के अधीन ग्राम छिनकी कुरैया में खेत में दीवार का निर्माण कार्य किया। जिसमें ठेकेदार व मालिक ने 15 हजार रुपए दिए। हम सबकी कुल मजदूरी एक लाख रूपये बनती है। ठेकेदार व मालिक के पास मजदूरी मांगते जा रहे है। परंतु उन्हें मजदूरी नहीं दे रहे।

डंपर से कुचलकर युवक की दर्दनाक मौत

20 मीटर तक बाइक को घसीट ले गया डंपर, घटना से गुस्साए लोगों ने किया प्रदर्शन

गूलरभोज(उद संवाददाता)। बाइक सवार युवक को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। बेकाबू डंपर युवक को बाइक समेत 20 मीटर तक घसीटकर ले गया। इससे शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार कैनाल कॉलोनी नंबर दो खंती निवासी गोपाल गड़िया का छोटा बेटा 19 वर्षीय निखिल गड़िया बुधवार दोपहर में खाना खाकर बाइक से काम पर जा रहा था। कॉलोनी के मेन चौराहे पर हरिपुरा जलाशय से मिट्टी उठान कर रही एक कंपनी के डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इसके बाद डंपर युवक को बाइक सहित करीब 20 मीटर तक घसीटता ले गया। जिससे शव क्षत विक्षत हो गया, जबकि बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटनास्थल का नजारा रोंगटे खड़े करने वाला था। लोगों ने राजस्थान निवासी डंपर चालक केवल को पकड़ लिया, जिसे बाद में पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी गणेश भट्ट को ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा। ग्रामीणों ने पुलिस के बड़े अधिकारी के आने के बाद ही शव का पंचनामा भरने की मांग की। इसके बाद सीओ एआर आर्य, थानाध्यक्ष जसवीर चौहान ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को शांत कराया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना था कि इस सड़क से स्कूली बच्चों और महिलाओं का ज्यादा आवागमन होता है। सड़क पर डंपर भी तेज गति से निकल रहे हैं। आबादी के क्षेत्र से मिट्टी भरे डंपर चलना उचित नहीं है। इससे हमेशा जानमाल का खतरा बना है। स्कूल के खुलने व छुट्टी के समय तो खतरा और ज्यादा है। सभी ने एक स्वर में डंपर संचालन बंद करने की मांग की। विधायक अरविंद पांडेय ने हादसे पर शोक जताते हुए कहा कि कुछ दिन पूर्व भी उन्होंने पुलिस अधिकारियों से आबादी क्षेत्र से डंपर की आवाजाही बंद करने के लिए कहते हुए जानमाल की हानि पहुंचने की आशंका जताई थी।

अवैध निर्माण पर गरजी जेसीबी

काशीपुर (उद संवाददाता)। जिला विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय की टीम ने बुधवार को ग्राम कुंडा और कुंडेश्वरी में कार्रवाई कर बिना नक्शा पास कराए अवैध प्लाटिंग कर बनी पक्की सड़कों व निर्माण को ध्वस्त कर दिया। डीडीए के संयुक्त सचिव अभय प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम कुंडा पहुंची। टीम ने खसरा नं. 170 रकबा 0.188 में की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया। टीम ने जेसीबी से पक्की व कच्ची सड़कों को लोडर मशीन से खोद दिया। साथ ही अवैध निर्माण को भी ध्वस्त कर दिया। टीम ने ग्राम कुंडेश्वरी में भी अवैध प्लाटिंग में कार्रवाई कर निर्माण ध्वस्त किया। संयुक्त सचिव ने बताया कि प्राधिकरण ने बिना मानचित्र स्वीकृत हो रहे अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग पर आगे भी कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

गाली गलौज मारपीट व धमकी में तीन नामजद

काशीपुर(उद संवाददाता)। गाली गलौज मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के एक मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर आदर्श नगर कुंडेश्वरी निवासी आशीष रावत पुत्र रघुवर सिंह ने बताया कि बीते 20 मई की रात्रि लगभग 8:30 बजे जब वह पथरी मंदिर के पास से होकर गुजर रहा था इसी दौरान घातक हथियारों से लैस कुलदीप पवार पुत्र नरेश, विकास कुमार पुत्र सुल्तान सिंह तथा सूरज पुत्र रामदास निवासी नामालूम ने आपस में एक राय होकर उसका रास्ता रोक लिया और गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शिकायतकर्ता नहीं पुलिस को बताया कि जब उसने इसका विरोध किया तो उसे उपरोक्त दबंगों द्वारा मौत के घाट उतारने की धमकी दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 323 504 506 आईपीसी के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

बुद्ध पुर्णिमा पर महात्मा बुद्ध को किया नमन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ग्राम बागवाला की झील कालोनी में महात्मा बुद्ध जयन्ती के अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल एवं ग्रामीणों ने पूर्व में ठुकराल परिवार द्वारा स्थापित महात्मा बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि महात्मा बुद्ध ने संसार को अंहिसा और शान्ति का सन्देश दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध ने हमें सिखाया अच्छी चीजों के बारे में सोचें। हम वही बनते हैं जो हम सोचते हैं। इसलिए सकारात्मक बातें सोचें और खुश रहें। यही सकारात्मकता हमें आगे जाने में मदद करती है। पूर्व विधायक ठुकराल ने बौद्ध धर्म के अनुयायिओं और भगवान् बुद्ध को मानने वाले सभी देश वासियों को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महात्मा बुद्ध के आदर्शों एवं शिक्षा को पूरा विश्व मानता है। उनके अनुयायी पूरे विश्व में हैं । विधायक ठुकराल ने उनकी प्रतिमा के समक्ष क्षेत्र में सुख समृद्धि एवं शान्ति की कामना की। इस दौरान अशोक यादव,ललित बिष्ट, विशाल मेहरा बंटी कोली, प्रमोद कुमार, विजय कुमार, रविन्द्र सागर, लालजी प्रसाद, शिव कुमार, सोनू कुमार, अजय कुमार सहित कई ग्राम वासी उपस्थित थे।

अंगद सिंह बने अभिभावक संघ के अध्यक्ष

पन्तनगर(उद संवाददाता)। आदर्श राजकीय बालिका इन्टरकालेज, पन्तनगर में शिक्षक अभिभावक प्रबन्ध समिति का सर्व सम्मति से गठन किया गया ।जिसमें अंगद सिंह को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। कार्यकारणी में प्रर्धानाचार्या श्रीमती साइस्ता जमाल अंसारी को सचिव,चिन्तामणी उप्रेती को उपाध्यक्ष, श्रीमती पुष्पा उप्रेती को प्रभारी तथा स्मिता पाण्डे, ललिता,मुन्नी पांगती, विनिता, अनुराधा केसरी, पुष्पारावत, इन्दु पाण्डेय को सदस्य मनोनीत किया गया।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सड़क हादसों पर लगाम

सड़क हादसों पर काबू पाने के इरादे से मोटर वाहन अधिनियम को कड़ा बनाया गया, परिवहन कानून तोड़ने पर सजा और जुर्माने की रकम काफी बढ़ा दी गई, ताकि लोगों की सड़कों पर मनमानी की आदत कम हो। मगर इन सब उपायों का अपेक्षित असर नजर नहीं आता। हर वर्ष सड़क हादसे कुछ बढ़े हुए ही दर्ज होते हैं। इनमें नशा करके बेलगाम रफ्तार से गाड़ी चलाने की घटनाएं अधिक देखी जाती हैं। पुणे में एक नाबालिग के शराब पीकर अंधाधुंध गाड़ी चलाने और दो लोगों को टक्कर मार कर मौत के घाट उतार देने की घटना इसका ताजा उदाहरण है। इस घटना से सड़क हादसों पर लगाम न लग पाने की कई परतें खुलती हैं। विचित्र है कि ऐसी घटनाओं को लेकर खुद पुलिस और अदालतें तक गंभीर नजर नहीं आतीं। गौरतलब है कि पुणे में सत्रह वर्ष का एक किशोर अपने पिता की महंगी कार लेकर रात को दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करने निकला। दो शराबखानों में जाकर उन्होंने शराब पी, फिर तेज रफ्तार गाड़ी चलाते हुए सड़क पर निकले और शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को मोटरसाइकिल पर सवार दो युवाओं को टक्कर मार दी। दोनों की वहीं मौत हो गई। इस घटना पर लोगों का ध्यान तब गया, जब आरोपी को गिरफ्तार करने के पंद्रह घंटे के भीतर कुछ आसान शर्तों के साथ रिहा कर दिया गया। उसमें आरोपी को पंद्रह दिन तक ट्रैफिक पुलिस की यातायात संचालन में मदद करने, तीन सौ शब्दों में यातायात व्यवस्था पर निबंध लिखने और शराब की लत छोड़ने के लिए परामर्श केंद्र की मदद लेने जैसी शर्तें रखी गई थीं। इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हुई तो महाराष्ट्र पुलिस सक्रिय हुई और दुबारा मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अभी तक की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य हाथ लगे हैं। आरोपी किशोर का पिता पुणे का अमीर भवन निर्माता है। बताया जा रहा है कि उसी के प्रभाव में आरोपी किशोर को आसान शर्तों के साथ रिहा कर दिया गया था। जिस गाड़ी से हादसा हुआ, उसे विदेश से मंगाया गया था और अभी तक उसका पंजीकरण भी नहीं कराया गया था। अब पुलिस ने आरोपी के पिता को गिरफ्तार कर लिया है, उन दोनों शराबखानों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है, जिन्होंने नाबालिगों को शराब परोसी। इस मामले को लेकर महाराष्ट्र सरकार भी सक्रिय हो गई है। उसने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, जब किसी रसूखदार आदमी के नाबालिग बेटे को बिना लाइसेंस के नशे में गाड़ी चलाने और किसी को रौंद डालने के बाद रिहा करने की कोशिश की गई। ऐसे भी अनेक मामलों पर लंबी चर्चाएं होती रही हैं, जिनमें माता-पिता अपने नाबालिग बच्चों को गाड़ी चलाने को देते रहे हैं और वे दुर्घटना कर बैठते हैं। मगर ऐसी तमाम घटनाओं से न तो अभिभावक कोई सबक लेना जरूरी समझते हैं और न यातायात व्यवस्था संभाल रहे पुलिसकर्मी ही अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेते हैं। रसूखदार लोगों को यह भरोसा सदा बना रहता है कि वे अदालत को भी अपने प्रभाव में लेकर ऐसे मामलों से निपट लेंगे। मगर ऐसी गैरजिम्मेदाराना हरकतों से जिन लोगों की जान चली जाती और उनके परिवार पर तकलीफों का पहाड़ टूट पड़ता है, उनकी फिक्र कौन करेगा। पुणे की घटना में कानूनी कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जो नजीर बने।

अप्प दीपो भव: महात्मा बुद्ध का दार्शनिक जीवन

संसार में समय-समय पर ऐसे महापुरुष भी हुए हैं, जिन्होंने अपने ज्ञान के आलोक से मानव जाति को एक नई राह दिखाई है। भारतीय विरासत की ऐसी ही एक महान विभूति गौतम बुद्ध या महात्मा बुद्ध हैं। महात्मा बुद्ध का जन्म नेपाल के लुम्बिनी में 563 ईसा पूर्व में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। युवावस्था में उन्होंने मानव जीवन के दुखों को देखा। रोगी व्यक्ति, वृद्धावस्था, मृत्यु की सच्चाई और एक प्रसन्नचित्त संन्यासी से प्रभावित होकर बुद्ध 29 वर्ष की अवस्था में सांसारिक जीवन को त्याग कर सत्य की खोज में निकल पड़े। महात्मा बुद्ध ने 528 ईसा पूर्व में वैशाख पूर्णिमा के दिन बोधगया में एक पीपल वृक्ष के नीचे आत्मबोध प्राप्त किया। वैशाख पूर्णिमा के दिन ही 483 ईसा पूर्व में कुशीनगर नामक स्थान पर महात्मा बुद्ध को निर्वाण प्राप्त हुआ। उन्होंने आजीवन संपूर्ण मानव सभ्यता को एक नयी राह दिखाई। दुनिया को अपने विचारों से नया मार्ग- मध्यम मार्ग दिखाने वाले महात्मा बुद्ध भारत के एक महान दार्शनिक, समाज सुधारक और बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। भारतीय वैदिक परंपरा में उस समय जो कुरीतियां पैदा हो चुकी थीं, उन्हें सबसे पहले ठोस चुनौती महात्मा बुद्ध ने ही दी थी। बुद्ध ने वैदिक परंपरा के कर्मकांडों पर कड़ी चोट के संग-संग वेदों और उपनिषदों में विद्यमान दार्शनिक सूक्ष्मताओं को किसी-न-किसी मात्रा में अपने दर्शन में स्थान दिया। भारतीय सांस्कृतिक विरासत को रूढ़िवादिता से हटाकर उसमें नवाचार का संचार किया। बुद्ध का मध्यम मार्ग सिद्धांत आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना बुद्ध के समय था। बुद्ध के दर्शन का सबसे महत्त्वपूर्ण विचार 'अप्प दीपो भव:' अर्थात 'अपने दीपक स्वयं बनो' है। मसलन, व्यक्ति को अपने जीवन का उद्देश्य या नैतिक-अनैतिक का निर्णय स्वयं करना चाहिए। यह विचार इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह ज्ञान और नैतिकता के क्षेत्र में हर व्यक्ति को उसमें प्रविष्ट होने का अवसर प्रदान करता है। बुद्ध दर्शन के 'मध्यम मार्ग' का अभिप्राय सिर्फ इतना है कि किसी भी प्रकार के अतिवादी व्यवहार से बचना चाहिए। बुद्ध परलोकवाद की बजाए इहलोकवाद पर अधिक बल देते रहे।

बुद्ध के समय प्रचलित दर्शनों में चार्वाक के अलावा लगभग सभी दर्शन परलोक पर अधिक ध्यान दे रहे थे। उनके विचारों का सार यह था कि इहलोक मिथ्या है और परलोक ही वास्तविक सत्य है। इससे निरर्थक कर्मकांडों और अनुष्ठानों को बढ़ावा मिलता है। बुद्ध ने जानबूझकर अधिकांश पारलौकिक धारणाओं को खारिज किया। महात्मा बुद्ध के विचारों की पुष्टि इस कथन से होती है कि वीणा के तार को उतना नहीं खींचना चाहिए कि वह टूट ही जाए या फिर उतना भी उसे ढीला नहीं छोड़ा जाना चाहिए कि उससे स्वर ध्वनि ही न निकले। गौतम बुद्ध ने तत्कालीन रुढ़ियों और अन्धविश्वासों का खंडन कर एक सहज मानवधर्म की स्थापना की। उन्होंने कहा, मनुष्य को संयम, सत्य और अहिंसा का पालन करते हुए पवित्र और सरल जीवन व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने कर्म, भाव और ज्ञान के साथ 'सम्यक' की साधना को जोड़ने पर बल दिया, क्योंकि कोई भी 'अति' शांति नहीं दे सकती। इसी तरह पीड़ाओं और मृत्यु भय से मुक्ति मिल सकती है। भयमुक्ति और शांति को ही उन्होंने निर्वाण कहा है। उन्होंने निर्वाण का जो मार्ग मानव मात्र को सुझाया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व था, मानवता की मुक्ति का मार्ग ढूंढने के लिए उन्होंने स्वयं राजसी भोग विलास त्याग दिया और अनेक प्रकार की शारीरिक यातनाएं झेली। महात्मा बुद्ध ने सांसारिक दु:खों का कारण अविधा को माना है। तत्कालीन समाज पर इस दर्शन का व्यापक प्रभाव पड़ा। बौद्ध दर्शन के सिद्धांतों और तत्वों का जनमानस पर व्यापक प्रभाव देखने को मिलता है। बुद्ध के अनुसार जन्म, मृत्यु, संयोग, वियोग आदि सभी दु:खमय हैं। तृष्णा या लालसा सभी दु:खों का कारण है। तृष्णा के निरोध से दु:ख की निवृति होती है। बुद्ध ने चार आर्य सत्य बताए हैं- दु:ख है, दु:ख का कारण है, दु:ख का निवारण है और दु:खों से मुक्ति संभव है। दु:ख का निरोध करने के लिए गौतम बुद्ध ने आठ आर्य सत्य बताए हैं, जिसे अष्टांगिक मार्ग कहा जाता है। ये अष्टांगिक मार्ग सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाक, सम्यक् कर्म, सम्यक आजीव, सम्यक् भाव, सम्यक् स्मृति, और सम्यक् समाधि हैं। इस अष्टांगिक मार्ग पर चलकर ही मोक्ष की प्राप्ति सम्भव है। बुद्ध ने अपने विचारों को अति गूढ़ रहस्यों से दूर रखा है। वे न तो तत्व मीमांसा के विवेचना के भ्रम में पड़ते हैं और न आत्मा-परमात्मा के भ्रम में। वे जीवन के अमरत्व और नश्वरता को नहीं मानते हैं। उनका स्पष्ट मानना था, जिस तर्क के अकाट्य प्रमाण न हों, उनसे दूर ही रहना चाहिए। अप्रत्यक्ष और शंका से युक्त तथ्य और रहस्य सदैव निर्माण के मार्ग में बाधा बनते हैं। दरअसल दुनिया में आज झगड़े ही झगड़े हैं जैसे- सांप्रदायिकता, आतंकवाद, नक्सलवाद, नस्लवाद, जातिवाद इत्यादि। इन सारे झगड़ों के मूल में बुनियादी दार्शनिक समस्या यही है कि कोई भी व्यक्ति, देश या संस्था अपने दृष्टिकोण से पीछे हटने को तैयार नहीं है। महात्मा बुद्ध के मध्यम मार्ग सिद्धांत को स्वीकार करते ही हमारा नैतिक दृष्टिकोण बेहतर हो जाता है। हम यह मानने लगते हैं कि कोई भी चीज का अति होना घातक होता है। यह विचार हमें विभिन्न दृष्टिकोणों के मेल-मिलाप और आम सहमति प्राप्त करने की ओर ले जाता है। महात्मा बुद्ध का यह विचार की दु:खों का मूल कारण इच्छाएँ हैं, आज के उपभोक्तावादी समाज के लिए प्रासंगिक प्रतीत होता है। दरअसल प्रत्येक इच्छाओं की संतुष्टि के लिए प्राकृतिक या सामाजिक संसधानों की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में अगर सभी व्यक्तियों के भीतर इच्छाओं की प्रबलता बढ़ जाए तो प्राकृतिक संसाधन नष्ट होने लगेंगे, साथ ही सामजिक संबंधों में तनाव उत्पन्न हो जाएगा। ऐसे में अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करना समाज और नैतिकता के लिये अनिवार्य हो जाता है। मध्यकाल में कबीरदास जैसे क्रांतिकारी विचारक पर महात्मा बुद्ध के विचारों का गहरा प्रभाव दिखता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी वर्ष 1956 में अपनी मृत्यु से कुछ समय पहले बौद्ध धर्म अपना लिया था और तर्कों के आधार पर स्पष्ट किया था कि क्यों उन्हें महात्मा बुद्ध शेष धर्म-प्रवर्तकों की तुलना में ज्यादा लोकतांत्रिक नजर आते हैं। आधुनिक काल में महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन जैसे वामपंथी साहित्यकार ने भी बुद्ध से प्रभावित होकर जीवन का लंबा समय बुद्ध को पढ़ने में व्यतीत किया। महात्मा गौतम बुद्ध ने अपने उपदेशों में कहा है कि मनुष्य को बीते कल के बारे में नहीं सोचना चाहिए। न ही भविष्य की चिंता करनी चाहिए, बल्कि मनुष्य को अपने आज यानि की वर्तमान को सुनहरा बनाने के लिए अपना बेस्ट देना चाहिए, तभी वे अपने जीवन में सुखी रह सकते हैं। महात्मा बुद्ध के मुताबिक क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है, क्योंकि जिस इंसान को अपने गुस्से पर नियंत्रण नहीं होता, वह कई बार ऐसे फैसले ले लेता है, जिसका सबसे ज्यादा नुकसान उसको ही होता है, इसलिए मनुष्य को अपने क्रोध पर काबू करना चाहिए। शक और संदेह के चलते न जाने कितने रिश्ते टूट जाते हैं और परिवार बिखर जाते हैं। बुराई को कभी बुराई से खत्म नहीं किया जा सकता है, बल्कि इसे सिर्फ प्रेम से ही जीता जा सकता है। महात्मा बुद्ध के मुताबिक जिस तरह एक जलता हुआ दीपक हजारों दीपक जलाकर प्रकाश फैला सकता है, और उसकी रोशनी कम नहीं होती, उसी तरह खुशियां भी सबसे साथ बांटने से बढ़ती हैं।

-सतेन्द्र सिंह।

देश भर में एक जुलाई से लागू होंगे तीन नए आपराधिक कानून

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि एक जुलाई से देश भर में लागू होने वाले तीन नए आपराधिक कानूनों के लिए उत्तराखंड में तैयारी पूरी हो चुकी है। प्रदेश सरकार नए कानूनों के संबंध में पुलिस कर्मियों को लगातार प्रशिक्षण भी दे रही है। केंद्रीय गृह सचिव के साथ हुई बैठक में मुख्य सचिव ने उत्तराखंड में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय सुरक्षा अधिनियम को लागू करने के संबंध में की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र में नए आपराधिक कानूनों के पारित होने के बाद प्रदेश सरकार ने सेंट्रल डिटेक्टिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (सीडीटीआइ) और ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरडी) से समन्वय स्थापित कर 50 अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण दिया है। साथ ही उत्तराखंड पुलिस हस्त पुस्तिका तैयार की गई है। इसी पुस्तक के आधार पर सारे कोर्स का संचालन किया जा रहा है। इसमें वृहद कानूनों को सरल तरीके से पढने की विधि तैयार की गई है। इसकी एक-एक प्रति सभी कार्मिकों को वितरित की जा रही है। साथ ही कार्मिकों को आनलाइन प्रशिक्षण देने के लिए तीन माड्यूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अल्प अवधि को देखते हुए प्रशिक्षण को जिला स्तर पर विकेंद्रीकृत किया गया है। सभी मास्टर ट्रेनर और अभियोजन अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा विवेचना संबंधी पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिन कर्मचारियों का पुलिस विवेचना में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं होता, उनके लिए आनलाइन माड्यूल तैयार किया गया है। सभी कार्मिकों को आनलाइन प्रशिक्षण पूरा करने के लिए एक माह का समय दिया जाएगा। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत कांस्टेबल व हेड कांस्टेबल को 20 दिन का समय दिया जाएगा। वे पोर्टल पर उपलब्ध 18 लेक्चर के माड्यूल का अध्ययन कर परीक्षा देने के उपरांत प्रशिक्षित हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी आइपीएस अधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि अगले माह 20 जून तक सभी प्रशिक्षण पूर्ण कर लिए जाएंगे।आनलाइन माध्यम से हुई बैठक में सचिव गृह दिलीप जावलकर, विशेष सचिव गृह रिद्धिम अग्रवाल और अपर पुलिस महानिदेशक एपी अंशुमान भी उपस्थित थे।

सोमवार बाजार से संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दो दिन पूर्व घर से बिना बताए किच्छा बाईपास रोड स्थित लेक पैराडाइज मैदान में लगने वाले सोमवार बाजार गई एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी है। भूपाल हालदार पुत्र अरविन्द हालदार निवासी जेल कैंप नंबर एक, शक्ति फार्म ने कहा है कि 20 मई को उसकी 14 वर्षीय पुत्री नन्दिनी हालदार एल घर से बिना बताये अपनी बहन के साथ रूद्रपुर लेक पेराडाईज में लगने वाले सोमवार बाजार आयी थी। शाम उसकी पुत्री बिना बतायें वहाँ से कही चली गई। जब वह घर वापस नहीं लौटी तो उसने आस पडोस व अपने सभी रिश्तेदारों में पता किया लेकिन उसका कुछ पता नही चल पाया। भूपाल ने बताया उसे डर है कि उसकी पुत्री के साथ कोई अनहोनी घटना न घट जाये।

शिक्षा में सुधार

21 वीं सदी में भारत की प्राथमिक नीतिगत बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस नीति को आगे बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम बनाये जा रहे हैं जिनमें से कई रणनीतियां सफल हो गई लेकिन कुछ में अभी भी बहुत सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति के लिये शिक्षा बहुत आवश्यक

है जिसके बिना कोई भी नागरिक जिन्दगी में कुछ खास नहीं कर पाता। इस विषय में एक कहावत भी है कि शिक्षा के बिना मनुष्य एक पशु के समान है। आजकल शहरों, नगरों, महानगरों में ही नहीं, अब तो गावों में भी शिक्षा का व्यावसायीकरण हो गया है। यदि आंकड़ों को देखा जाए तो सरकारी स्कूलों में केवल निर्धन वर्ग के लोगों के बच्चे ही पढ़ने के लिए आते हैं क्योंकि निजी शिक्षा संस्थानों द्वारा फीस के रूप में बड़ी-बड़ी रकमें वसूली जाती है। जिन्हें केवल पैसे वाले ही अदा कर पाते हैं। वर्तमान समय में शिक्षा की गुणवत्ता में कमी आती दिखाई दे रही है। सरकार द्वारा कई योजनायें बनाई तो जा रही हैं लेकिन ये योजनायें अपने मूल उद्देश्यों को प्राप्त करने में असफल होती दिखाई दे रही हैं। समय-समय पर लोगों को इन योजनाओं से परिचित करवाया जा रहा है लेकिन इनको सही रूप नहीं दिया जा रहा है जिस कारण आज शिक्षा भंवर में है। इसकी स्थिति लगातार डोलती जा रही है। आज की शिक्षा प्रणाली में केवल किताबी ज्ञान की ओर ध्यान दिया जा रहा है जहाँ केवल शिक्षा का निजीकरण हो रहा है। शिक्षा को शिक्षा न समझ कर आज केवल एक व्यवसाय बना दिया गया है, जहाँ बच्चों के माता पिता को अभिभावक न समझ कर उपभोक्ता समझा जाता है। इसमें नैतिक मूल्यों को अनदेखा किया जा रहा है। बच्चों में नैतिकता को खत्म कर आज के विद्यार्थियों को प्रतियोगिता की रेस में खड़ा कर दिया गया है सइन बातों को देखकर लगता है कि आज की वर्तमान शिक्षा का स्तर लगातार नीचे जा रहा है क्योंकि विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही दिया जा रहा है कुछ कर पाने की उनकी क्षमता को दबा दिया गया है। आजकल शिक्षा देने वाले मंदिर शिक्षा बेचने वाली दुकानें बन गए हैं। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा ग्रहण करना बहुत ही मुश्किल हो गया है, सरकारी स्कूलों का तो बुरा हाल है। इसमें कोई शक नहीं की हमारी सरकार कोशिश नहीं कर रही है। ऐसा भी नहीं है कि सरकारी स्कूलों की हालत को ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है आज सरकारी स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों में सरकार मिड डे मील दे रही है। लोगों का मानना है कि ऐसा सिर्फ बच्चों की संख्या में इजाफा करने के लिए किया जा रहा है ताकि सरकारी स्कूलों को बचाया जा सके। गरीब परिवारों के अभिभावक भी कम आमदन के कारण बच्चों को दोपहर के खाने के लिए सरकारी स्कूल भेजते हैं। सरकार द्वारा मिड डे मील का तो हिसाब अध्यापकों से माँगा जाता है पर उन बच्चों की पढ़ाई की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। आजकल सरकारी स्कूल-कालेजों में पढ़े बच्चे कम ही बड़े अफसर, डॉक्टर, इंजीनियर बनते हैं क्योंकि अध्यापक उनकी ओर सही तरीके से ध्यान नहीं देते। हालाँकि सरकार की ओर से बच्चों को दी जाने वाली मूलभूत आवश्यकताएँ तथा सर्व शिक्षा अभियान व राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा वर्ग जैसी अनेक योजनायें चलाई जा रही है। इनमें से कुछ तो बहुत अच्छे कार्य कर रही है। लोगों का मानना है की कई प्राइवेट स्कूलों में काम अधिक लिया जाता है और अध्यापकों को तनख्वाह कम दी जाती है। लेकिन मुझे लगता है की सरकारी अध्यापकों को तनख्वाह अधिक दी जाती है जबकि काम वे कुछ भी नहीं करते। अध्यापकों को इस विषय के बारे में न सोच कर बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देना होगा। मुझे लगता है कि शिक्षा की डोलती स्थिति के लिए ट्रेंड अध्यापकों की कमी भी एक बढ़ा कारण है। कई स्कूल ऐसे भी हैं जिनमे एक ही अध्यापक कई कई विषय पढ़ा रहा है। जब तक विषय सम्बन्धी विशेषज्ञ अध्यापक नहीं होगा तब तक परिणाम विद्यार्थियों के पक्ष में नहीं जायेंगे। आजकल जगह जगह स्कूल खोले जा रहे हैं। इनमें से कुछ स्कूलों में मूलभूत आवश्यक्तायें जैसे स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैंक, हवादार कमरों की कमी होती है। तथा उन स्कूलों द्वारा अनेक प्रलोभन भी लोगों को दिए जाते हैं। यदि यही कुछ होगा तो हमारी शिक्षा में गुणवत्ता कैसे आएगी ? इन सब कामों को ध्यान में रख कर हमें उचित नियम और कानून बनाने चाहिए ताकि हम बच्चों को उच्च शिक्षा देने के साथ साथ उनकी जरूरतों को भी पूरा कर सकें। शिक्षा राष्ट्र की संस्कृति और जीवन शैली को सुदृढ़ बनाने का काम करती है। इस विषय में हम सब को मिलकर आगे आना होगा और विचार करना होगा कि शिक्षा पर छाये संकट के बादल कैसे हटेंगे ? कैसे इन समस्याओं का निवारण होगा ? इन समस्यायों के बारे में सोचना होगा और इसके उपाय खोजने होंगे, उन्हें लागू करना होगा ताकि आने वाली पीड़ियों का भविष्य अंधकार में न हो और एक अच्छे समाज की स्थापना हो सके। वही हमारा शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य होगा तथा हमारी शिक्षा का जो स्तर लगातार गिर रहा है ढोल रहा है भंवर में है वह समाप्त होगा क्योंकि आज के बच्चे कल का भविष्य बनेंगे। शिक्षा का ऐसा अलख जगाओ, देश को साक्षर सभ्य बनाओ। होगा विकास तभी मेरे भारत में, जब सुधरेंगे शिक्षा के हालात मेरे भारत में।

-प्रस्तुति-नरेश कुमार सेठ।

छेड़छाड़ के आरोपित नर्सिंग अधिकारी को गिरफ्तार करने एम्स की छटे फ्लोर में पहुंची पुलिस की गाड़ी

देहरादून। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में महिला चिकित्सक से छेड़छाड़ के आरोपित नर्सिंग अधिकारी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की गाड़ी छठवें फ्लोर में बने वार्ड में पहुंच गई। इससे मरीज हक्के-बक्के रह गए। पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने गाड़ी के लिए रास्ता बनाया। घटना मंगलवार की है, जिसका वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर खूब वायरल होता रहा। एम्स की एक महिला डाक्टर ने सर्जरी विभाग के आपरेशन थिएटर में तैनात नर्सिंग अधिकारी सतीश कुमार पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। पुलिस ने मंगलवार को मुकदमा तो दर्ज कर लिया, लेकिन आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हुई थी। गुस्साए चिकित्सकों ने कार्य वहिष्कार कर दिया। वे नर्सिंग अधिकारी की गिरफ्तारी पर अड़े थे। चिकित्सकों के गुस्से को देखते हुए पुलिस एम्स पहुंची, मगर वहां माहौल काफी गर्म था। पुलिस को पता चला कि आरोपित की ड्यूटी छठी

मंजिल स्थित वार्ड में है। पुलिस आरोपित को पकड़ने के लिए वाहन समेत छठी मंजिल स्थित वार्ड में पहुंच गई। वाहन को छठी मंजिल तक रैंप से ले जाया गया। वहां भर्ती मरीज कुछ समझ पाते, तब तक सुरक्षाकर्मी भी पहुंच गए। उन्होंने और पुलिसकर्मियों ने गाड़ी के लिए रास्ता बनाया। आरोपित को पकड़ने के बाद पुलिस उसे वाहन में बैठाकर इमरजेंसी के रास्ते बाहर आ गई। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में महिला चिकित्सक से छेड़खानी मामले में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने सख्ती दिखाई है। घटना में शामिल अन्य आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई को लेकर आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने छह बिंदुओं पर जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। कंडवाल ने बताया कि मामले में अन्य अधिकारी, कर्मचारियों की भूमिका भी सामने आ रही है। इस बाबत नर्सिंग अधिकारी सतीश कुमार को बर्खास्त करने, साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने के आरोप में एएनएस सनोज पी को बर्खास्त करने, आपरेशन थिएटर के ड्यूटी रजिस्टर में गड़बड़ी पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

आखिर किसकी शह पर चल रहा अवैध खनन का खेल

रात के अंधेरे में उपजाऊ जमीन का सीना चीर रहे खनन कारोबारी

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। थाना क्षेत्र में मिटटी के अवैध खनन का गोरखधंधा किसकी शह पर फल फूल रहा है। ओवरलोड डम्पर ग्रामीण क्षेत्रों में मिटटी का सीना चीरकर सरकार को रोजाना लाखों रूपये की चपत के साथ ही सड़कों को भी नुकसान पहुंचा रहें है। अवैध मिटटी खनन के कारोबार में राजनैतिक हस्तियों का भी संरक्षण बताया जा रहा है। थाना क्षेत्र के लगे गांवों में वैसे तो मिटटी के अवैध खनन का कारोबार पिछले कई महिनों से बिना किसी रोकटोक के चल रहा है। लेकिन पिछले कुछ दिनों में खनन से जुड़े लोग भारी मात्रा में बिना किसी अनुमति के रात के अंधेरे में डम्पर चलाकर अवैध खनन कर रहें है। अवैध मिट्टी खनन से जहां सरकार को लाखों रूपये के राजस्व का नुकसान तो हो ही रहा है, वहीं रात के अंधेरे में चल रहें डम्पर से सड़क दुर्घटना का भी भय बना रहता है। इसके अलावा गांव की सड़को पर डम्पर के चलने से सड़के भी समय से पहले टुट रही है। जिससें लोक निर्माण विभाग को भी खासा नुकसान झेलना पड़ रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि खनन कारोबारियों को किसका संरक्षण प्राप्त है और किसके ईशारे पर बड़े पैमाने पर मिटटी का खनन किया जा रहा है। राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन भी इन खनन माफियाओं के खिलाफ कोई कार्यवाही न किये जाने से इनकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहें है। मंगलवार की रात्रि सुनखरी-नगला मार्ग पर दर्जनों डम्पर जिस तरह से खनन कर रहें थे, इससे साफ प्रतीत होता है कि स्थानीय प्रशासन की सॅलिप्ता भी इसमें है। क्योंकि बिना किसी संरक्षण के इतने बड़े स्तर पर खनन करना मुमकिन है। अवैध खनन में डम्पर से होने वाले हादसों से भी पुलिस व प्रशासन सबक नही ले रहा है। बीते बधुवार को गुलरभोज में मिटटी से भरे ओवरलोड डम्पर ने कालौनी के मेन चौराहे पर 20 मी0 घसीटते हुये युवक की जान ले ली। इस हादसे में क्षेत्र के लोगों में खासा रोश देखा गया। जिसके बाद बाजपुर के सीओ ए0 आर0 आर्य ने ग्रामीणों के विरोध को देखते हुये आबादी क्षेत्र में डम्पर संचालन पर रोक लगाकर लोगों के गुस्से को थामने का प्रयास किया। नानकमत्ता क्षेत्र में डम्पर संचालन आबादी के बीच होने से इसी तरह की सड़क दुर्घटना का भय ग्रामीणों में रहता है।

पुण्य तिथि पर बांटा लंगर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। समाजसेवी संजय ठुकराल ने अपने पिता स्व. खान चन्द्र ठुकराल की 12वीं पुण्यतिथि पर अग्रसेन चौक पर भंडारे के रूप में खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर स्व. खान चन्द्र ठुकराल को नमन करत हुए सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय

जुनेजा, गौरव आहूजा, रोहित खुराना, मनीष ठुकराल, गौरव खुराना, अंकित ठुकराल, अजय ठुकराल, सोनू खुराना,भुवन गुप्ता, बंटी कोली, उपदेश, सक्षम, अजय नारायण ,राजेश ग्रोवर, विपिन राजपूत, दीपक ठुकराल,हिमांशु ठुकराल, अवतार खुराना, बंटी राजोरिया, विशाल सिंह, राजू गुप्ता, सौरभ रस्तोगी, बॉबी टुटेजा, राहुल सरीन,बब्बू विर्क,गगन ग्रोवर,जोमी चांडा, आकाश बाठला, दीपक मल्होत्रा आदि शामिल थे।

रेलवे सुरक्षा कर्मियों को जान से मारने की धमकी

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। नशे की हालत में जीआरपी चौकी काठगोदाम में घुसे एक नशेड़ी ने सिपाहियों से अभद्रता कर दी। इतना ही नहीं उसने सिपाहियों को झूठे केस में बंद करवाने और जान से मारने की धमकी भी दे डाली। जीआरपी सिपाहियों ने उसे पकड़ने की कोशिश भी लेकिन वह भीड़ का फायदा उठा कर मौके से भाग निकला। जीआरपी के सिपाही की ओर से आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। जीआरपी काठगोदाम चौकी में तैनात धर्मेन्द्र सिंह यादव ने जीआरपी थाना प्रभारी को दी तहरीर में कहा है कि वह रात्रि में चौकी में ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान एक नशेड़ी जबरन चौकी में घुस आया और अभद्रता करने लगा। उसने अपने साथी गोविन्द बल्लभ को भ्आावाज देकर चौकी में बुला लिया। जिसके बाद दोनों को धमकाने लगा और खुद को इरशाद अहमद बताते हुए कहा कि उसने पहले वाले दरोगा दिनेश मीना को सीबीआई से ट्रेप करवाया। आरोप है कि वह रेलवे स्टेशन को खुद की संपत्ति बताने लगा और सभी को झूठे केस में फसाने की धमकी देने लगा। जब उसे पकड़ने की कोशिश की गई तो उसने कुछ दूर खड़े अपने साथियों को बुला लिया और चौकी जलाने की धमकी देते हुए आरोपी वहां से भाग निकला। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जीआरपी ने जांच शुरू कर दी है।

पाकिस्तान से हिन्दूवादी नेता विपिन को आया धमकी भरा फोन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। क्षेत्र के हिंदूवादी नेता रम्पुरा वार्ड 21 निवासी विपिन शर्मा बिट्टू को आज पाकिस्तान से एक पुलिस अधिकारी के नंबर से धमकी भरा फोन आने से परिजनों में भय पैदा हो गया है । विपिन ने मामले की जानकारी पुलिस अधि

कारियों को दे दी है। उनका कहना है कि आज प्रात: 10. 15 से 10.25 बजे मोबाइल नंबर 92 334 1425183 से व्हाट्स एप पर काल आयी। जिसमें कॉल आने वाले मोबाइल पर डीपी पर पुलिस का फोटो देखकर जल्दीबाजी में काल रिसीव कर ली। तो काल करने वाले ने उससे कहा कि वह सार थाने से बोल रहा है तुम्हारे कितने बेटे हैं जवाब देते कहा कि दो बेटे है, उसने पूछा कि क्या करते हैं कहा कि एक बेटा पढ़ता है दूसरा साथ में काम करता है। फिर उसने कहा कि जो तेरे साथ काम करता है उसका नाम क्या है। बताया कि उसका नाम आदित्य है। उसने कहा कि अपने बेटे से बात कराओ। तो उससे कहा कि वह अभी मकान में उपर गया है उसके आने पर बात करा दूँगा। मैनें फिर कहा कि आप कहाँ से बोल रहे हो तो उसने कहा कि तुझे इससे क्या मतलब जब हम आयेगे तो तुम दोनों बाप बेटे को ठोकेगे तभी तुझे पता चलेगा और इतना कहकर फोन काट दिया। विपिन ने सौंपी तहरीर में अपनी व बेटे की जान माल का खतरा बताया है।

रेलवे स्टेशन पर हाईटेंशन लाईन की चपेट में आकर अधेड़ गंभीर

किच्छा(उद संवाददाता)। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर बरेली से लालकुआं जा रही मालगाड़ी के रुकने पर एक व्यक्ति द्वारा अचानक रेल के डिब्बे के ऊपर चढ़ जाने के कारण हाई टेंशन की चपेट में आने से बुरी तरह से झुलस गया ।जिसको उपचार हेतु स्थानी सीएससी केंद्र जाया गया जहां से चिकित्सकों द्वारा उसे उच्च चिकित्सा

हेतु सुशीला तिवारी मेडिकल अस्पताल हेतु रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार को किच्छा रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी आकर रुकी तो मालगाड़ी के रुकते ही नेपाल निवासी 50 वर्षीय शेर बहादुर पुत्र श्याम बहादुर ट्रेन के ऊपर चढ़ गया और हाई टेंशन की विद्युत लाइन की चपेट में आकर बुरी तरीके से झुलस गया। आनन फानन में उसे स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया जहां से उसे हल्द्वानी रैफर कर दिया गया।

वाहन की टक्कर से युवक गंभीर

गदरपुर(उद संवाददाता)। बन्नाखेड़ा बाजपुर निवासी नत्थू लाल अपने घर से गदरपुर की ओर आ रहे थे जिनका धीमरखेड़ा मोड टंकी के पास पहुंचने पर एक अज्ञात कार सवार ने अपनी चपेट में ले लिया दुर्घटना में बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी की अनुसार नत्थू लाल उम्र 45 बर्ष निवासी बन्नाखेड़ा किसी काम से गदरपुर की साइड आ रहा था की अचानक वनविभाग की चौकी के समीप एक अज्ञात कार चालक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे छिटक कर बाइक सवार व्यक्ति दूर जा

गिरा कार सवार चालक मोका देखकर फरार हो गया सूचना मिले पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त की वही स्थानीय लोगों ओर पुलिस ने घायल व्यक्ति को एंबुलेंस की मदद से बाजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया वही टेलीफोन पर घायल व्यक्ति के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया

बाबा सुरजन सिंह बेदी की याद में लगाई शबील

गदरपुर(उद संवाददाता)। बाबा सुरजन सिंह बेदी की पुण्यतिथि पर ग्राम चकरपुर के युवाओं ने ठंडे मीठे पानी की सभी लगाकर श्रद्धालुओं एवं अन्य जाने वाले यात्रियों की सेवा की। शबील की सेवा का शुभारंभ डेरा बाबा बेदी

के प्रमुख राजेंद्र सिंह बेदी, पूर्व ग्राम प्रधान राजेंद्र कोचर,प्रेम कोचर एवं ग्रंथी भाई सुच्चा सिंह द्वारा संयुक्त रूप से करवाया गया। सेवादारों द्वारा दिन भर श्रद्धालुओं की ठंडे मीठे पानी से सेवा करके पुण्य लाभ कमाया गया ।

राज्यपाल ने दी बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने 'बुद्ध पूर्णिमा' के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि भगवान बुद्ध के जन्म दिवस को बैशाख पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। भगवान बुद्ध ने विश्व को मानवता, अहिंसा, शांति व सेवा का संदेश दिया। भगवान बुद्ध द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर मानव जीवन को कल्याणकारी बनाया जा सकता है। भगवान बुद्ध का प्रेम,सहनशीलता एवं करुणा का संदेश वर्तमान में भी प्रासंगिक है।

पेज एक का शेष...

तेंदुए ने घास काट रही...अनुसार बनबसा के गांव फागपुर की 35 वर्षीय मुन्नी देवी गुरूवार प्रात: अन्य महिलाओं के साथ्ज्ञ जानवरों के लिए घास लेने चांदनी क्षेत्र के पीछे जंगल खरबतिया गई हुई थी। बताया जा रहा है कि यह जंगल खटीमा रेंज के अंतर्गत आता है। जंगल में घास काटने के दौरान वहां अचानक तेंदुआ आ गया। झाड़ियों में घात लगाकर बैठे तेंदुए ने मुन्नी पर हमला कर घायल कर दिया। साथी महिलाओं ने शोर मचाकर तो तेंदुआ वहां से भाग निकला। लेकिन थोड़ी देर बाद तेंदुआ फिर आया और घायल महिला पर फिर से हमला किया। इस हमले से उसकी मौत हो गई। शोर सुनकर कई ग्रामीण वहां आ गये। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। यह मामला मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय भी जा पहुंचा। शासकीय अवकाश होने के बावजूद भी मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय चंपावत के नोडल अधिकारी केदार बृजवाल कैंप में मौजूद थे। जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग के बड़े अधिकारियों सहित प्रशासन को दी। बताया गया है कि मृतक मुन्नी अपने मायके में रहती थी उसके दो छोटे बच्चे हैं। घटना के बाद मृतक के मायके में कोहराम मचा हुआ है। इधर दूसरी ओर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी घटना पर बेहद दुख जताया है।

अनुदान पर ट्रैक्टर दिलाने...छोटे गरीब किसानों को मैशीफर्गुशन कम्पनी व आयशर कम्पनी के ट्रैक्टर 6-7 लाख रूपये कीमत के ट्रैक्टर 75 प्रतिशत अनुदान पर सरकार द्वारा दिये जा रहे हैं। इस योजना में चयनित प्रत्येक किसान को दो-दो लाख रूपया नकद अपनी अपनी हिस्सा पूंजी नगद मैग्मा फाइनेन्स कम्पनी कार्यालय हल्द्वानी में जमा करनी अनिवार्य है। उनकी बातों पर विश्वास कर दोनों ने आवश्यक सभी कागजात और दो-दो लाख रूपया नकद लेकर महक मशीनरी स्टोर रूद्रपुर पहुंचे जहां दोनों के अलग अलग दस्तखत कराये व दो-दो लाख रूपया जमा कराकर कहा अगले माह ट्रैक्टर मिल जायेगे। लेकिन ट्रेक्टर नहीं मिले। 28.07.2013 दोनों महक मशीनरी स्टोर रूद्रपुर और मैग्मा फाइनेन्स कम्पनी कार्यालय हल्द्वानी पहुंचे जहां बैठे लोगों ने दोनों को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मार-पीट पर उतारू होकर धमकियों दी कि कोई कानूनी कार्यवाही की तो दोनों को इस फाइनेन्स कम्पनी के लाखों रूपयों का फर्जी ऋण बकाया दिखाकर फर्जी ऋण की जबरन वसूली तुम लोगों की अचल-चल सम्पत्ति से वसूली करेंगे। मामले की शिकायत पुलिस से की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

तीन लाख की ..कराया गया है। बरामद स्मैक की कीमत तीन लाख रूपये आंकी गयी है। तस्करों को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसटीएफ के निरीक्षक पावन स्वरूप, उप निरीक्षक विपिन जोशी, अपर उपनिरीक्षक जगबीर शरण,मुख्य आरक्षी मनमोहन सिंह, आरक्षी इसरार अहमद, आरक्षी वीरेंद्र चौहान गदरपुर थाने के उप निरीक्षक पवन जोशी, आरक्षी गोरखनाथ, आरक्षी कुंदन सिंह,महिला हेड कांस्टेबल कृष्णा आदि शामिल थे।

अकाउंटेंट ने फर्जी..सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत सूचना प्राप्त करने हेतु एक प्रार्थना पत्र वाणिज्य कर विभाग के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसमें ज्ञात हुआ कि जो सूचना मांगी गयी वह जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है। पोर्टल चेक कराने पर यह पाया गया कि दोनों फर्मो के जीएसटी चालान जो हर्षित गुम्बर द्वारा बनाकर दिए गए थे जिसमें माया इण्टरप्राइजेज में रूपये आठ लाख सतासी हजार दो सौ ब्यानवे एंवपिता की फर्म में रूपये दो लाख तिहत्तर हजार आठ सौ पचास है जिन जीएसटी चालानों का भुगतान उसने व उसके पिता द्वारा अपने-अपने बैंक खातों से चेक द्वारा किया गया है। यह पैसा उसके व उसके पिता द्वारा फर्म के जीएसटी एंव अकाउंटिंग का कार्य देखने वाले हर्षित गुम्बर द्वारा बनाये गये जीएसटी चालान के अवन में अपने खातो से भुगतान किए गए हैं। इसमें से कुछ जीएसटी चालानों पर हर्षित गुम्बर द्वारा अपनी हस्तलिपि द्वारा लिखा गया है। आरोप है हर्षित गुम्बर द्वारा उसके व उसके पिता के साथ धोखाधड़ी कर लाभ कमाने की नियत से फर्जी तरीके से जीएसटी चालान बनाकररूपये ग्यारह लाख इकसठ हजार एक सौ ब्यासी मात्र गबन कर लिये गये है। रपट में रोहित गर्ग ने रूपये ग्यारह लाख इकसठ हजार एक सौ ब्यासी मात्र के अतिरिक्त देय तिथि तक ब्याज सहित तथा मानसिक उत्पीड़न करने हेतु 5 लाख एंव विधिक कार्य में व्यय रूपयों की अदायगी कराने की मांग की है।

पंतनगर पहुंचने पर...आधार पर पूरा किया जायेगा। साथ हीं विधायक ने हाल हीं मे उत्तराखंड मे सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव पर भी चर्चा की। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, लोकसभा सयोजक विवेक सक्सेना, धीरेन्द्र मिश्रा, मयंक कक्कड़, अभिषेक सक्सेना आदि लोग मौजूद रहे।

पानी के लिए...बूंद पानी के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द ही पेयजल समस्या का समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की धमकी दी है। वहीं सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वनभूलपुरा पुलिस ने किसी तरह से महिलाओं को शांत कराया और समस्या का समाधान करने का भरोसा दिलाया।

सीएम ने दिए...द्वारा इस प्रकार की घटना को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। केदार बृजवाल का कहना है कि घटना की पुनरावृति ना हो इसको लेकर वन विभाग के अधिकारी तुरंत मंथन करेंगे। उन्होंने कहा कि घटना का शिकार हुई मृतक मुन्नी के परिजनों से वह स्वयं मिलने जाएंगे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

'धामी सरकार' कराएगी गरीब 'कन्याओं' का विवाह

राज्य सरकार लाने जा रही है मुख्यमंत्री कन्यादान योजना,यूपी सरकार की तर्ज पर योजना के अंतर्गत गरीब परिवार की बेटियों के विवाह के लिए दी जाएगी सरकारी आर्थिक सहायता राशि

-अर्श-

रूद्रपुर। सूबे की पुष्कर सिंह धामी सरकार राज्य के गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सहारा देने के लिए एक और गरीब कल्याणकारी योजना लाने जा रही है। सरकार की उक्त योजना अगर धरातल पर फलीभूत होने पाई तो अब प्रदेश में गरीब परिवारों को अपनी बेटियों के विवाह के खर्च की चिंता से काफी हद तक निजात मिल सकेगी।धामी सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का नाम मुख्यमंत्री कन्यादान योजना होगा। इस योजना के तहत सरकार द्वारा गरीब परिवार की बेटियों के लिए के विवाह के लिए एक निश्चित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। योजना को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य राज्य में बाल विवाह जैसे आसामाजिक कृत्यों को हतोत्साहित करके बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और प्रदेश के ऐसे परिवारों की मदद करना है, जो गरीबी के चलते अपनी कन्याओं के विवाह हो अच्छे तरीके से नहीं कर पाते हैं। हासिल जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का ढांचा पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में लागू सामूहिक विवाह योजना के अनुसार ही तैयार किया जाएगा तथा उत्तर प्रदेश सरकार की तर्ज पर उत्तराखंड सरकार भी मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सरकार 51 हजार रुपये प्रति विवाह खर्च करेगी। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश की

सामूहिक कन्या विवाह योजना की तर्ज पर ही दो लाख रुपए की सालाना आय वाले परिवार ही इस योजना के पात्र होंगे। सूत्रों के अनुसार यूपी की तर्ज पर उत्तराखंड सरकार सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक युगल को 51 हजार रुपए कि सहायता राशि देगी ।जिसमें 35 हजार रुपये वधू को दांपत्य जीवन, गृहस्थी शुरू करने के लिए उसके बैंक खाते में भेजे जायेंगे और 10 हजार रुपये की उपहार सामग्री वर-वधू को विवाह के अवसर पर दी जाएगी तथा शेष 6000 रुपये समारोह के आयोजन के लिए खर्च किए जायेंगे। मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस योजना को कुछ माह पूर्व ही लाना चाहते थे लेकिन आम चुनाव के चलते इस योजना को धरातल पर उतरने की कार्य योजना पर अमल नहीं किया जा सका। अब क्योंकि आम चुनाव की प्रक्रिया अपने अंतिम दौर में है और केवल दो चरण का मतदान ही शेष है ,लिहाजा राज्य के मुख्य सचिव ने अब इस योजना का खाका तैयार करने की कवायद आरंभ कर दी है ।बताना होगा कि बीते रोज प्रदेश के मुख्य सचिव द्वारा योजना के सभी पहलुओं पर विचार करने के लिए राजधानी में अनेक विभाग के आला अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई । बैठक में समाज कल्याण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के विभिन्न पहलुओं चर्चा कर उसके प्रस्तुतिकरण खाका पेश किया गया ।बैठक में वित्त विभाग, पंचायती राज विभाग, शहरी विकास, ग्राम्य विकास, श्रम व महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने प्रस्तावित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना पर अपनी अपनी प्रस्तुति दी।

50 हजार की रिश्वत लेते अधिशासी अभियंता गिरफ्तार

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। विजिलेंस टीम ने लघु सिंचाई के अधिशासी अभियंता को 50 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा कि अधिशासी अभियंता द्वारा बिल पास करने के एवज में रिश्वत मांगी गई थी। सीओ विजिलेंस अनिल सिंह मनराल ने बताया कि विजिलेंस टीम द्वारा शिकायतकर्ता ठेकेदार की शिकायत पर लघु सिंचाई खंड नैनीताल के अधिशासी अभियन्ता कृष्ण सिंह कन्याल निवासी लॉर्ड कृष्णा ग्रीन प्रथम तल वी-109 केदारपुरम मोथरो वाला देहरादून, हाल निवासी मुकुल विहार सिजवाली काम्पलेक्स बी-5 प्रथम तल तल्ली बमौरी, लालडांठ बाईपास रोड हल्द्वानी को गिरफ्तार किया है। इन्हें शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुये एक रिसॉर्ट से रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने सतर्कता अधिष्ठान में शिकायत की थी कि वह सिंचाई विभाग के ठेकेदार हैं। पिछले वर्ष ग्राम सेलिया में लघु सिंचाई विभाग की गूल निर्माण का ठेका लिया गया था। लगभग 10 लाख रुपये का कार्य शिकायतकर्ता द्वारा किया गया। जिसका पूर्व भुगतान उन्हें दो बार में किया गया। आरोप था कि इसी भुगतान के एवज में लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता कृष्ण सिंह कन्याल द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी। उक्त शिकायत पर जांच कराने पर तथ्य सही पाये जाने पर ट्रैप टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुये बुधवार देर शाम लघु सिंचाई खंड नैनीताल के अधिशासी अभियन्ता कृष्ण सिंह कन्याल को नया गांव कालाढुंगी रिसॉर्ट परिसर से 50,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उक्त प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत कर जांच की जायेगी।

लक्ष्मी नारायण मंदिर के पुजारी बहादुर सिंह कार्की का निधन

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। खटोला स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर के पुजारी पूर्व सैनिक बहादुर सिंह कार्की (82) का आकास्मिक निधन हो गया। मोतीपुर नंबर एक निवासी कार्की पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। मंगलवार की शाम उन्होंने अपने निवास पर अंतिम सांस ली। वह अपने पीछे दो पुत्र पत्नी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए। बुधवार को रानीबाग स्थित चित्रशिला घाट में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। निधन पर खड़क सिंह कार्की, दिवान सिंह कार्की, नन्दा बल्लभ बेलवाल, खुसाल सिंह मेहता, पुष्कर सिंह कार्की, तिरिलोक सिंह पानू, त्रिलोक सिंह खड़ायत, प्रमोद बोरा, बलवंत सिंह मेहरा, सुरेन्द्र सिंह पानू, महेन्द्रसिंह मेहरा, हयात सिंह रावत आदि ने शोक व्यक्त किया है।

सेल टैक्स की चोरी से राजस्व को करोड़ों की चपत

उच्च स्तरीय जांच में कई चेहरे हो सकते हैं बेनकाब

-मनोज श्रीवास्तव-

काशीपुर। सहायक आयुक्त राज्य कर (जीएसटी) सचल दल कार्यालय में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गलत नीतियों के कारण सरकार के राजस्व को प्रतिमाह लाखों का चूना लग रहा है। इस मामले की यदि उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तो गड़बड़ घोटाले में लिप्त कई चेहरे बेनकाब हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक मुरादाबाद रोड पर राज्य की सीमा के करीब बिक्री कर वसूल किए जाने को लेकर सेल टैक्स कार्यालय की स्थापना की गई है। सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ समय से यह कार्यालय दलाली की भेंट चढ़ चुका है। कार्यालय के आसपास तथा राजमार्ग पर महत्वपूर्ण स्थानों पर माल भरे वाहनों से

वसूली के लिए दलाल सक्रिय है। पता चला है कि उत्तर प्रदेश की सीमा से यदि कोई ट्रक 10 हजार ईंटों की खेप लेकर उत्तराखंड में प्रवेश करता है तो उसकी 2000 की पर्ची काटी जाती है बाकी के 8000 ईंटों का पैसा हजम कर लिया जाता है। सूत्र बताते हैं कि सुबह सवेरे से लेकर देर रात तक ईंट भरे सैकड़ो वाहन यूपी की सीमा से उत्तराखंड में प्रवेश करते हैं इस लिहाज से अनुमान लगाया जाए तो अकेले ईट भरे वाहनों से जिम्मेदार अधिकारी मोटी कमाई कर रहे हैं। और तो और सेल टैक्स के दस्तावेजों में ईंटों की क्वालिटी को भी गलत दरषाए जाने की सूचना है। इसी तरह काशीपुर के एक किराना व्यापारी का दिल्ली से प्रतिदिन ट्रकों में लाखो का माल आता है। अपुष्ट सूत्रों का कहना है कि सुविधा शुल्क के दम पर परचूनी का यह सामान चोर रास्तों से सुरक्षित गंतव्य तक भेजने का काम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि रात के अंधेरे में अधिकारियों से सांठगांठ कर स्क्रैप के दर्जनों वाहन यूपी की सीमा से उत्तराखंड की सीमा में प्रवेश कर बगैर सेल टैक्स चुकाए फैक्टियों में पहुंच जाते हैं। यहां बता दें कि प्रतिदिन सरिया फैक्ट्रीयों से लोड होकर बड़ी तादाद में गैर राज्यों को सरिए भेजी जा रही है । ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर इनका कच्चा माल रॉ मैटेरियल यानी (स्क्रैप) कब कहां कितनी तादात में और कैसे आता है इसका लेखा-जोखा कुछ है या फिर सब गड़बड़ घोटाला है। फिलहाल नाम न छापने की शर्त पर एक व्यापारी ने बताया कि राज्य की सीमा पर स्थापित सेल टैक्स चेक पोस्ट पर नियमित सीमा पार करने वाले वाहनों का महीना बांधा गया है। यानी दायित्वों के नाम पर जिम्मेदार अधिकारी दोनों हाथों से लूट मचाए हुए हैं। ऐसे में सरकार के राजस्व को करोड़ों की क्षति हो रही है। वहीं दूसरी ओर सरकार के राजकाज पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

सिस्टम फेल, हो रही भीषण उगाही

काशीपुर। यूपी की सीमा से उत्तराखंड में प्रवेश करने के लिए काशीपुर में प्रमुख तीन मार्ग ऐसे हैं जहां से अधिकांश ईंटों भरे वाहन बॉर्डर पार कर जाते हैं। मुरादाबाद रोड पर राज्य की सीमा के करीब सेल टैक्स की चेक पोस्ट है लेकिन अलीगंज रोड पर एवं दढियाल रोड के अलावा जसपुर के सन्यासीवाला के आसपास कोई चेक पोस्ट नहीं है और ना ही मोबाइल वैन इन रास्तों पर ईंट भरे ट्रक एवं ट्रैक्टर ट्रालियों को चेक करती है यही कारण है कि प्रतिदिन देर रात से लेकर तड़के सुबह सवेरे तक सैकड़ो की तादात में ईंटों से ओवरलोड ट्रक एवं ट्रैक्टर ट्रालियां पुलिस को सुविधा शुल्क देकर बड़े ही आसानी से यूपी की सीमा से उत्तराखंड की सीमा में प्रवेश कर जाती है। बता दें कि पिछले कई वर्षों से खराब सिस्टम के कारण मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा संभल बिलारी चंदौसी आदि क्षेत्रों से सुबह सवेरे ट्रक एवं ट्रैक्टर ट्रालियों में ओवरलोड होकर ईंटों की भारी भरकम खेप राज्य की सीमा पार कर उत्तराखंड में प्रवेश कर रही है।